



महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

वर्ष : 17 अंक : 87

न्यूज ब्रीफ

सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बाद इलाज के लिए अमेरिका रवाना हुए अभिषेक बनर्जी, तयों आई थी विदेश यात्रा में बाधा?



कोलकाता/जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद तुणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी आखों के इलाज के लिए अमेरिका रवाना हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार, वह गुरुवार मध्यरात्रि दिल्ली से अमेरिका के लिए रवाना हुए। शीर्ष अदालत की शर्त के अनुसार करीब तीन सप्ताह बाद उनके भारत लौटने की संभावना है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की पीठ के निर्देश के मुताबिक अभिषेक ने अपनी विदेश यात्रा से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी जांच एजेंसी को उपलब्ध कराई है। इसमें यात्रा का स्थान और तारीख, वापसी की तारीख, उड़ान से जुड़ी जानकारी, विदेश में ठहरने का स्थान तथा इलाज के अस्पताल की जानकारी शामिल है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने जांच एजेंसी को इन सूचनाओं को गोपनीय रखने का निर्देश दिया है। अमेरिका में आंखों का इलाज कराने की अनुमति के लिए अभिषेक ने पहले कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया था। वहां से अनुमति नहीं मिलने पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। शीर्ष अदालत ने कुछ शर्तों के साथ उन्हें विदेश जाने की अनुमति दी थी। अभिषेक के बैंक खाते फ्रीज होने के कारण विदेश यात्रा में वित्तीय लेनदेन को लेकर परेशानी खड़ी हो गई थी। बाद में हाई कोर्ट के हस्तक्षेप से यह बाधा दूर हुई। इसके बाद बुधवार रात वह विशेष विमान से पहले दिल्ली पहुंचे और वहां से गुरुवार रात अमेरिका के लिए रवाना हुए। उल्लेखनीय है कि 2016 में डानकुनी एक्सप्रेसवे पर सड़क दुर्घटना में अभिषेक की आंख में गंभीर चोट लगी थी। इसके बाद सिंगापुर और अमेरिका में उनका इलाज हुआ।

अखिलेश यादव के साथ टेबल टॉक से पहले कांग्रेस ने बदली रणनीति, राहुल-प्रियंका की मुहर बाकी



नई दिल्ली/जीएनएस। कांग्रेस उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में सीट बंटवारे से पहले पार्टी ने सूबे में अपने जिला संगठन को सक्षम बनाने की चल रही कसरत पूरी कर ली है। पार्टी की ओर से दिए जा रहे संकेतों से साफ है बड़ी संख्या में जिला अध्यक्षों को बदला जा रहा है और कांग्रेस हाईकमान ने भी नए जिला अध्यक्षों की सूची पर हामी भर दी है।पार्टी ने प्रदेश के लगभग अधिकांश जिलों में नए चेहरों के संगठन की कमान सौंपने की तैयारी कर ली है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की नए जिला अध्यक्षों के नाम तय करने को लेकर शुक्रवार को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी तथा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा के साथ निर्णायक बैठक हुई जिसमें नए नामों को अंतिम रूप दिया गया। उत्तरप्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम तथा कांग्रेस संगठन महासचिव केंसी वेणुगोपाल ने दो दिनों तक चली लगातार बैठकों के बाद अधिकांश जिलों के लिए पहचाने और चुने गए संभावित अध्यक्षों के नाम नेतृत्व को सौंपा। राहुल और प्रियंका दोनों ने नामों की इस सूची पर वेणुगोपाल और प्रभाषी से व्यापक चर्चा की और इस पर लगभग हामी भर दी है। इस बैठक में कांग्रेस के संगठन सुजन अभियान के साथ ही विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों और रणनीति पर भी चर्चा की गई। कांग्रेस अगले कुछ दिनों में ही नए जिलाध्यक्षों के नामों का एलान भी कर देगी। सपा से सीट बंटवारे की बातचीत औपचारिक रूप से शुरू करने से पहले कांग्रेस जिलाध्यक्षों की नियुक्ति करना जरूरी मान रही है।ताकि पार्टी जमीन पर अपने राजनीतिक दमखम की झलक दिखा सीटों पर अपनी दावेदारी को मजबूती से रख सके। केंसी वेणुगोपाल ने यूपी कांग्रेस के जिलाध्यक्षों के चयन की दो दिन चली कसरत के संदर्भ में शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट में कहा भी कि नामों को अंतिम रूप देने के लिए गौतम, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा, प्रभारी सचिवों और उत्तरप्रदेश के लिए नियुक्त एआईसीसी पर्यवेक्षकों के साथ विस्तार से चर्चा की।

राजस्थान के धौलपुर में हादसा, इको वैन पलटने से 3 मासूम सहित 4 की मौत

जयपुर/जीएनएस। राजस्थान के धौलपुर में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में लोगों की मौत हो गई। मिनियां थाना क्षेत्र के फूलपुर गांव क्षेत्र पर एक इको वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने पानी के गड्ढे में पलट गई। वैन में सवार 11 लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, जिनमें से 4 की मौत हो गई, वहीं 7 घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

मृतकों में तीन मासूम और एक महिला शामिल है। हादसे के बाद राहगीरों और ग्रामीणों तुरंत गड्ढे में उतरकर घायलों को बाहर निकाला और तुरंत पुलिस को सूचना दी।



हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में 4 लोगों की मौत-जिला अस्पताल के एक डॉक्टर में बताया कि हादसे के बाद 11 लोगों को अस्पताल लाया गया था। चार लोगों को अस्पताल पहुंचने पर मृत

पाया घोषित कर दिया गया, जबकि चार अन्य का इलाज किया गया और उन्हें दूसरे अस्पताल में रेफर किया गया है। तीन लोगों

को इलाज की जरूरत नहीं पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे की लापरवाही और वाहन का तेज गति में संतुलन बिगड़ना माना जा रहा है। लगातार बारिश के कारण सड़क किनारे पर बने गड्ढे पानी से भरे हुए थे, जिससे यह दर्दनाक दुर्घटना हुई।

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238

dainikmalwaherald@yahoo.com

malwaherald@gmail.com

सुविचार

सच्चे रिश्ते पानी की तरह होते हैं, जिनका न कोई रंग है, न कोई आकार, न कोई स्वाद परंतु फिर भी जीवन के लिए बहुत आवश्यक

उज्जैन, रविवार 06 सितम्बर 2026

पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

देश का भविष्य गढ़ने में युवा शिक्षा अधिकारियों की भूमिका अहम : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

जिलों के शिक्षा अधिकारियों से मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सीधा संवाद

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश का भविष्य गढ़ने में युवा शिक्षा अधिकारियों और शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश में बड़ी संख्या में युवा अधिकारियों और शिक्षकों को शिक्षा व्यवस्था की मैदानी जिम्मेदारी सौंपी गई है। युवा ऊर्जा, नई सोच, तकनीकी समझ और नवाचार की क्षमता का उपयोग शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए किया जाना चाहिए। प्रत्येक शिक्षा अधिकारी यह संकल्प लेकर कार्य करे कि उसके जिले में कोई भी बच्चा पीछे न रहे और जिले का परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत से अधिक हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर इंदौर के सांदीपनि शासकीय अहिल्या आश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 में आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम 'एजुकेशन डायलॉग' को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का विषय



'आज का युवा, भविष्य का निर्माता-एजुकेशन डायलॉग, बेहतर शिक्षा के नए विचार' था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशभर के 200 से अधिक युवा जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला परियोजना समन्वयकों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों और शिक्षकों से सीधे संवाद किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षक दिवस के

अवसर पर महान शिक्षक एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन करते हुए प्रदेश के सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा अधिकारियों से सीधे संवाद करते हुए उनके मैदानी अनुभवों, चुनौतियों, प्रार्थमिकताओं और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से यह भी जाना कि वे अपने जिलों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किस प्रकार की कार्ययोजना पर काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों से कहा कि केवल शासन के निर्देशों का पालन

करना ही पर्याप्त नहीं है। शिक्षा अधिकारियों को अपने जिले की स्थानीय परिस्थितियों, विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और विद्यालयों की समस्याओं को समझते हुए परिणामोन्मुखी नेतृत्व करना चाहिए। स्थानीय समस्याओं के स्थानीय समाधान विकसित किए जाएं और जो नवाचार सफल हों, उन्हें दूसरे जिलों में भी लागू करने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि आज के युवा अधिकारी तकनीक को समझते हैं, तेजी से सीखते हैं और समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देखने की क्षमता रखते हैं। यह क्षमता शिक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी ताकत है। युवा अधिकारी अपनी ऊर्जा और नवीन सोच का पूरा उपयोग विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने में करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान समय तेजी से बदल रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में भी तकनीक की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। आज एआई, डिजिटल लर्निंग और आधुनिक तकनीक विद्यार्थियों के सीखने के नए अवसर

उपलब्ध करा रही है। ऐसे में शिक्षकों और शिक्षा अधिकारियों को भी समय के साथ अपनी योग्यता बढ़ानी होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षक तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को बेहतर कर सकते हैं। डिजिटल माध्यमों के साथ विद्यार्थियों को विषय की समझ, तार्किक क्षमता, प्रश्न पूछने की आदत और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने पर भी ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षा अधिकारियों से कहा कि उनके कार्य की पहली प्रार्थमिकता यह होनी चाहिए कि उनके जिले में कोई भी बच्चा पीछे न रहे। प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति पर नजर रखी जाए। कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उनके लिए विशेष रणनीति बनाई जाए। उन्होंने प्रत्येक शिक्षा अधिकारी से अपने जिले का परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत से अधिक रखने का लक्ष्य निर्धारित करने को कहा।

खाने के पास खटमल की दवा तो कहीं एक्सपायर्ड सामान...बेंगलुरु के 64 PG में छापेमारी; 23 को भेजा गया नोटिस

बेंगलुरु/ जीएनएस। कर्नाटक खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन ने बेंगलुरु और उसके आसपास के इलाकों में पेड़ों गैस्ट यानी हॉस्टलों पर बड़ी कार्रवाई की है। खराब खाने और साफ-सफाई की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद अधिकारियों ने 64 पीजी में विशेष छापेमारी की, जिसमें भारी अनियमितताएं मिलने पर 23 पीजी को नोटिस जारी किया गया है।

खटमलों की दवा और खाना एक साथ-मिली जानकारी के अनुसार बोम्बेद्रा स्थित नंदना एलीट पीजी में जो लापरवाही सामने आई, उसने सबको चौंका दिया। यहां डाइनिंग टेबल पर खाने के ठीक बगल में खटमलों को मारने वाली



जहरीली पाउडर रखी हुई मिली। गंभीर स्वच्छता उल्लंघन के चलते अधिकारियों ने तुरंत इस डाइनिंग एरिया को सील कर दिया। इतना ही नहीं छापेमारी के दौरान कई पीजी से एक्सपायर्ड दही, चावल

का आटा, बिसिबेले बाथ मसाला, सिंथेटिक फूड कलर, काली मिर्च और बिना ब्रांड वाले खाद्य पदार्थ बरामद किए गए, जिन्हें मौके पर ही जब्त कर लिया गया। अधिकारियों ने गुणवत्ता की जांच के लिए इन पीजी से खाने के कुल 12 सैंपल्स लेकर लेब में भेजे हैं।

बता दें कि पिछले दो महीनों से कर्नाटक में खाद्य सुरक्षा विभाग का यह विशेष अभियान लगातार जारी है। इसके तहत होटल, रेस्तरां, ऑनलाइन डिलीवरी डार्क स्टोर और मैनुफैक्चरिंग यूनिट्स पर भी ताबड़तोड़ छापे मारे जा रहे हैं।

ई-कॉमर्स कंपनियों पर भी शिकंजा- इतना ही

नहीं पिछले हफ्ते ही कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जहरीले धतूरे के फल और बीज बेचे जाने के मामले में बड़ा कदम उठाते हुए अमेजन, इस्टामार्ट और बिगबास्केट के फूड लाइसेंस निलंबित करने का आदेश दिया था। जांच में सामने आया था कि बिना सख्कट लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन के ये जहरीले उत्पाद खुलेआम बेचे जा रहे थे, जो इंसानी सेहत के लिए बहुत खतरनाक हैं। इसके अलावा हाल ही में राज्य सरकार ने कर्नाटक स्टेट होटल्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की थी, जिसमें स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट कर दिया था कि ग्राहकों की सेहत और खाने की शुद्धता से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

केरलम के कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में नवजात के शरीर में मिली सुई



तिरुवनंतपुरम/ जीएनएस। केरलम में पिछले साल कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में पैदा हुई नवजात के शरीर में सुई छोड़े जाने के मामले में केरल बाल अधिकार आयोग ने शनिवार को मामला दर्ज किया है। वहीं, कोट्टायम मेडिकल कॉलेज ने आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय पैनल नियुक्त किया है।

परिवार के अनुसार, अंजू और विनेश की छोटी बेटी के जन्म के लगभग एक साल बाद उसके शरीर में सुई मिली थी। अंजू ने 24 जून 2025 को कोट्टायम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बच्ची को जन्म दिया था। बुधवार और पोलिया के लक्षण दिखने के बाद जन्म के दूसरे दिन ही बच्ची को एनआइसीयू में भर्ती कराया गया था।

परिवार का आरोप है कि अस्पताल में इलाज के दौरान बच्ची के शरीर में सुई रह गई थी। परिवार ने बताया कि जुलाई 2026 में कोडिंकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जांच के दौरान बच्ची की दाहिनी पसलियों के पास सुई का पता चला और बाद में सर्जरी के जरिए उसे निकाल दिया गया।

असम में धोखाधड़ी के मामलों में पुलिस का बड़ा एक्शन, एक ही दिन में 330 आरोपी गिरफ्तार

दिसपुर/ जीएनएस। असम में आज शनिवार सुबह से एक खास ऑपरेशन चलाया जा रहा था, जिसे करीब करीब 330 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह ने खुद इस ऑपरेशन की जानकारी दी है। इन सभी लोगों पर पुलिसकर्मियों बनकर धोखाधड़ी करने समेत कई तरह की धोखाधड़ी में शामिल होने का आरोप है। छलकने के कहा कि यह कार्रवाई जारी है और गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़ सकती है।

असम में 330 लोग गिरफ्तार- डीजीपी हरमीत सिंह का कहना है कि कुछ सदिशों का पता असम के बाहर, जैसे हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों में चला है और उन्हें भी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में लाया जाएगा।

DGP ने कहा, शनिवार सुबह से धोखाधड़ी के मामलों में की गई



कार्रवाई के दौरान करीब 330 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोग कई तरह की धोखाधड़ी में शामिल थे, जैसे पुलिस केस सुलझाने का झंझा देना, पुलिस अधिकारी बनकर

लोगों को फोन पर धमकाना और उनसे पैसे उठाना। डीजीपी हरमीत सिंह ने कहा, पुलिस इन धोखाधड़ी के मामलों के खिलाफ काम कर रही है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार यह खास कार्रवाई की जा रही है।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग वाली याचिका खारिज



प्रयागराज/ जीएनएस। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा है कि पुलिस प्राथमिकी नहीं लिखे तो सीधे हाई कोर्ट आने के बजाय पहले कानून में दिए गए उपाय अपनाने चाहिए। न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने रमेश उपाध्याय की आपराधिक रिट याचिका खारिज करते हुए यह आदेश दिया है।

आपतिजनक टिप्पणी का आरोप लगाया याचिका आरोप था कि एक वीडियो में जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने उपाध्याय समुदाय और धार्मिक व्यक्तियों पर आपतिजनक टिप्पणी की है। वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ, इससे उनकी भावनाएं आहत हुईं। उन्होंने वाराणसी पुलिस आयुक्त से शिकायत कर एफआईआर की मांग की थी। राज्य सरकार ने याचिका का विरोध किया। कहा गया कि याचिका ने संबंधित थाने या मजिस्ट्रेट से संपर्क नहीं किया और पुलिस को शिकायत मिलने का कोई सबूत भी रिकार्ड पर नहीं है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि प्राथमिकी न दर्ज होने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा

NHAI का बड़ा फैसला, PM के लोकार्पण वाले प्रोजेक्ट्स पर होगी 6 महीने सख्त निगरानी

नई दिल्ली/ जीएनएस। किसी भी नए प्रोजेक्ट में कुछ दिनों में ही कमियां सामने आ जाएं तो सवाल खड़ा होना स्वाभाविक है, लेकिन यदि उससे प्रधानमंत्री का नाम जुड़ा हो मतलब कि शिलान्यास या लोकार्पण पीएम ने किया हो तो वह अधिक सुर्खियां बटोरता है।

ऐसे ही कुछ मामलों से सीख लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) सतर्क हो गया है। मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में नए दिशा-निर्देश जोड़ते हुए तय किया है कि जिस भी प्रोजेक्ट का लोकार्पण प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा, उसकी छह माह तक निगरानी की जाएगी और कमी दिखते ही उसे तुरंत सही कराया जाएगा। इसी वर्ष अप्रैल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया और तीन माह के अंदर कुछ हिस्सों में दरारें उभर आईं। यह परियोजना एनएचएआई की थी, लेकिन इसके अलावा भी



गंगा एक्सप्रेसवे सहित कुछ उदाहरण हैं, जिनसे प्रधानमंत्री का नाम जुड़ा होने के कारण वह खामियां सामने आते ही इंटरनेट मीडिया पर छा गए। विपक्षी राजनीतिक दलों ने भी कटाक्ष किए। ऐसे मामलों को एनएचएआई ने गंभीरता से लेते हुए अधिक सतर्कता बरतने का निर्णय किया है। दरअसल, प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के शिलान्यास व उद्घाटन के संबंध में बकायदा एसओपी बनी हुई है।

एनएचएआई के पोर्टल पर उपलब्ध अब

तक के संकूर्तल देखने पर पता चलता है कि एनएचएआई की परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के संबंध में एसओपी तो पहले से चली आ रही थी, लेकिन पांच अप्रैल 2023 को प्रधानमंत्री द्वारा परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास से संबंधित एसओपी बनाई गई।

इसके बाद कुछ-कुछ सुधार-संशोधन कर नए दिशा-निर्देशों के साथ वर्ष अक्टूबर 2023, 2024 और 2025 में भी एसओपी जारी हुई, लेकिन इनमें परियोजनाओं की निगरानी को लेकर अलग से कोई बिंदु नहीं था, जबकि हाल ही में जारी एसओपी में इसे जोड़ दिया गया है। स्पष्ट यह भी लिखा है, %हाल ही के उद्घाटन/शिलान्यास के आयोजनों के दौरान मिले अनुभव और सीखों के आधार पर कुछ अनिश्चित दिशा-निर्देश जोड़े गए हैं।%

नए निर्देशों में लिखा है कि उद्घाटन या

यातायात के खोले जाने के बाद पहले तीन महीनों के दौरान साप्ताहिक आधार पर और बाद के तीन महीनों के दौरान पांश्विक आधार पर कंसेसनेयर के संबंधित परियोजना प्रबंधक और पर्यवेक्षक परामर्शदाता यानी अथॉरिटी इंजीनियर या इंडिपेंडेंट इंजीनियर के टीम लीडर द्वारा संयुक्त रूप से परियोजना खंड का निरीक्षण किया जाएगा, ताकि उचित पेवमेंट और राईडिंग गुणवत्ता, जल निकासी, सुरक्षा प्रतिष्ठानों, टटबंध ढाल आदि को सुनिश्चित किया जा सके।

इसमें लिखा है कि रूट पेट्रोलिंग वाहन नियमित रूप से राजमार्ग के खोले जाने के बाद गहन निगरानी के साथ गश्त करेंगे। किसी भी देखे गए या संभावित दोष-गिरावट को जियो-टैग किया जाएगा। तुरंत परियोजना निदेशक, कंसेसनेयर और ईई-आईई को सूचित किया जाएगा। प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंट यूनिट को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस संबंध में निवारण के लिए समय पर सुधार किया जाए।

पर्युषण महापर्व का दूसरा दिन नरीमन नागेश्वर के नाम, होगी विराट महापूजा एवं प्रभु भक्ति

9 सितंबर को नरीमन सिटी में मनमोहक अंगरचना, पुष्पों एवं दीपों से भव्य दीप सज्जा और संगीतात्मक आरती रहेगी विशेष आकर्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री नरीमन नवकार जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्रीसंघ ट्रस्ट के अध्यक्ष निलेश जैन ने बताया श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की आराधना और पर्युषण महापर्व के पावन अवसर पर इंदौर के नरीमन सिटी क्षेत्र में श्रद्धा एवं भक्ति का भव्य आयोजन होने जा रहा है। पर्युषण महापर्व के दूसरे दिन बुधवार, 9 सितंबर 2026 को -विराट महापूजा एवं प्रभु भक्ति- का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु सपरिवार पहुंचकर भगवान श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ की भक्ति, पूजा-अर्चना एवं आराधना का लाभ लेंगे।

आयोजन को लेकर श्री नरीमन नवकार जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्रीसंघ ट्रस्ट, इंदौर तथा नरीमन नागेश्वर भक्त मंडल,नवकार नरीमन शाखा एवं नरीमन नागेश्वर महिला मंडल द्वारा व्यापक तैयारियों की जा रही हैं। आयोजन में धर्म, भक्ति, संगीत और आध्यात्मिक वातावरण का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

दिव्य साज-सज्जा के साथ होगी महापूजा-ट्रस्ट के प्रवीण गुरुजी ने बताया भगवान श्री



नागेश्वर पार्श्वनाथ की आकर्षक एवं मनमोहक अंगरचना की जाएगी। इसके साथ ही पुष्पों से प्रभु की दिव्य महापूजा सजाई जाएगी। दीपों से मंगलमय दीप सज्जा तथा संगीतात्मक आरती के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बनाया जाएगा। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं को सामूहिक रूप से प्रभु आराधना करने का अवसर मिलेगा।

ट्रस्ट के आर सी जैन ने बताया विराट महापूजा एवं प्रभु भक्ति के माध्यम से पर्युषण पर्व की आध्यात्मिक भावना को जन-जन तक

पहुंचाने और श्रद्धालुओं को धर्माारधना से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

संगीत और भक्ति की विशेष प्रस्तुति- ट्रस्ट के विजय जैन गोटवाला ने बताया कार्यक्रम में प्रसिद्ध संगीतकार एवं भावों की अभिव्यक्ति के लिए डॉ. विपिन वगारेचा अपनी प्रस्तुति देंगे, जबकि संगीत के सुर आयुष बोहरा की प्रस्तुति से भक्ति का वातावरण और अधिक भावपूर्ण होगा। संगीतात्मक प्रस्तुतियों के साथ श्रद्धालु भगवान की भक्ति में लीन होंगे।आयोजन के लाभार्थी राजेन्द्र - विभा, भरत - तुषि, अमित

- गुंजन, शुभ, शौर्य, सना व अमायरा पारेख (मेट्रो) परिवार एवं संगम रूप है- ट्रस्टी मनीष शाह के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्युषण महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को प्रभु भक्ति, आत्मचिंतन और आध्यात्मिक ऊर्जा से जोड़ना भी है।

सपरिवार पहुंचने का आह्वान- श्री संघ के नाना सेठ, बाबूलाल भंडारी, शरद जैन, महेंद्र कटारिया, अजय चौधरी, अजय अम्बोर, शान्तिलाल जैन, प्रवीण सकलेचा,प्रदीप आँचलिया, प्रकाशचंद जैन, दिलीप जैन,सदीप जैन, रितेश जैन, ऋषभ शाह, अल्केश गाँधी, अनिल कुमार जैन, अजीत जैन, अमित मेहता,अंकुशसिंह सिसोदिया, स्वप्निल नानावटी, सिद्धांत जैन, हितेश काकरिया ने समाजजनों से इस विशेष धार्मिक आयोजन में सपरिवार सहभागी बनने का आह्वान किया है। पर्युषण महापर्व के दूसरे दिन आयोजित यह विराट महापूजा श्रद्धालुओं के लिए प्रभु आराधना और सामूहिक भक्ति का विशेष अवसर बनेगी।

म्यूल बैंक खातों और फर्जी सिम से अंतरराज्यीय साइबर फ्रॉड, क्राइम ब्रांच ने आरोपी को किया गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देशभर में म्यूल बैंक खातों और फर्जी सिम के जरिए संगठित रूप से अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी को अंजाम देने के मामले में क्राइम ब्रांच इंदौर ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान लक्की निवासी थाना तिलक नगर, इंदौर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार साइबर अपराध सिंडिकेट से जुड़े अन्य सदस्यों और नेटवर्क के संबंध में पूछताछ एवं विवेचना जारी है।

पुलिस आयुक्त इंदौर के निर्देशन और पुलिस उपायुक्त अपराध के मार्गदर्शन में ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, पहचान की चोरी और अंतरराज्यीय साइबर अपराधों के खिलाफ क्राइम ब्रांच द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय, I4C

(इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, NCRP और साइबर क्राइम पोर्टल से प्राप्त सदस्य म्यूल बैंक खाताधारकों और उनके सहयोगियों से संबंधित डेटा के आधार पर ऑपरेशन मैट्रिक्स के तहत कार्रवाई की जा रही है।

जांच के दौरान डीसीबी बैंक की न्यू प्लासिया शाखा से जुड़े एक खाते के संबंध में सामने आया कि इस खाते के खिलाफ पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम, बिहार, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से दर्जनों साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपने बैंक खाते को म्यूल अकाउंट के रूप में उपलब्ध कराया था। इसके साथ ही उसके नाम से जारी सिम का उपयोग किया

जा रहा था, जिस पर बैंक संबंधी ओटीपी प्राप्त होते थे। पुलिस के मुताबिक इसी माध्यम से संगठित तरीके से मल्टी-स्टेट साइबर फ्रॉड और आर्थिक धोखाधड़ी को अंजाम दिया जा रहा था। मामले में अपराध क्रमांक 0136/2026 के तहत धारा 318(4), 3(5) बीएनएस 2023 में प्रकरण दर्ज कर आरोपी लक्की को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बी.कॉम स्नातक है। पुलिस ने उसके कब्जे और सलिता से डीसीबी बैंक का एक म्यूल खाता तथा बैंक खाते से लिंक मोबाइल और प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक सिम से संबंधित सामग्री जब्त की है। क्राइम ब्रांच के अनुसार आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर साइबर फ्रॉड में शामिल अन्य व्यक्तियों और अंतरराज्यीय साइबर अपराध नेटवर्क की भूमिका की जांच की जा रही है।

क्राइम ब्रांच की टीम ने 31 अगस्त 2026 को पंचमुखी हनुमान मंदिर रोड, अरविंदो लवकुश चौराहा के पास से राहुल सौदगार निवासी छत्रीपुरा, इंदौर को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से 18.89 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई थी, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 80 हजार रुपए बताई गई है। राहुल के खिलाफ अपराध क्रमांक 0127/2026 के तहत धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया था।

इंदौर के विकास की नई रफ्तार : लोक परिवहन के क्षेत्र में इंदौर को मिली बड़ी सौगात

मेट्रो परियोजना परिवहन तंत्र को आधुनिक बनाने के साथ ही शहर के विकास को नई गति प्रदान करेगी - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर में मेट्रो ट्रेन का विस्तार केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत है। आज मेट्रो का नया चरण शुरू हुआ है और आने वाले समय में इसके और चरण पूरे होंगे। मेट्रो के माध्यम से इंदौर को उज्जैन और पीथमपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से जोड़ने का कार्य क्रमशः आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर में मेट्रो ट्रेन के नये चरण के लोकार्पण कार्यक्रम को



संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेट्रो के पहले चरण को मिले सकारात्मक प्रतिसाद के बाद अब इसका विस्तार शहर के

अंदरूनी क्षेत्रों तक हो रहा है। यह सिलसिला लगातार आगे बढ़ेगा और आने वाले समय में मेट्रो इंदौर सहित पूरे मालवा क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को नयी दिशा देगी। इंदौर के मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा है। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 2 हजार 850 करोड़ रुपये की लागत से सुपर कॉरिडोर- 3 से मालवीय नगर तक मेट्रो कॉरिडोर का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुभारंभ किया। इस दौरान कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन

एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। केंद्रीय आवास एवं शहरी राज्य मंत्री श्री तोहन साहू, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्पमित्र भार्गव, विधायक श्री गोल्ड शुक्ला, श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, श्री मधु वर्मा तथा सुश्री उषा ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारिगण मौजूद थे। भारत की विकास दर ने बढ़ाया

देशवासियों का गौरव - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के सभी क्षेत्रों में विकास के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले सामने आई आर्थिक विकास दर के आंकड़े देशवासियों का उत्साह और गौरव बढ़ाने वाले हैं। अमेरिका की विकास दर लगभग 2 प्रतिशत और चीन की 4 प्रतिशत प्रबंधन पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यातायात संबंधी किसी भी समस्या की सूचना ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर 7049107620 पर दें। इसके अलावा यातायात संबंधी सुविधाओं और शिकायतों के लिए इंदौर ट्रैफिक साथी एप का उपयोग किया जा सकता है।

शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह

जीवन में आने वाले बेहतर परिवर्तन के पीछे एक शिक्षक होता है- मंत्री

शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए अभी बहुत काम करना शेष है- महापौर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामान्य प्रशासन प्रभारी श्री नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस के अवसर पर माननीय नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, माननीय जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, राष्ट्रकवि श्री सत्यनारायण सतन जी, पूर्व रियायत शिक्षक श्री मदन मोहन श्रीमान जी,महापौर श्री पुष्पमित्र भार्गव एवं सांसद श्री शंकर लालवानी द्वारा आज रविन्द्र नाटय गृह में मां सरस्वती एवं श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तथा शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 160 से अधिक मान. शिक्षक गण को शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विधायक श्री महेंद्र हाडिया, महापौर परिषद सदस्य श्री नंदकिशोर पहाड़िया, श्री निरंजन सिंह चौहान, श्री अश्विनी शुक्ल, पार्षद श्री योगेश गेंदर ,श्री कमल वाघेला, श्रीमती कंचन गिदवानी, सुश्री रूपाली पेंडारकर, श्री पराग कौशल, श्री भरत रघुवंशी, अपर आयुक्त श्री मनोज पाठक एवं बड़ी संख्या में शिक्षक गण एवं अन्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने स्वागत भाषण के दौरान सामान्य प्रशासन प्रभारी श्री नंदकिशोर



पहाड़िया ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार नगर निगम इंदौर द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान किया जाता है, उन्होंने कहा कि जीवन की राह दिखाने वाले शिक्षक होते हैं और उनके सम्मान समारोह पर मैं उनको नमन करता हूं आज नगर निगम इंदौर द्वारा शहर के विभिन्न शासकीय स्कूल के 160 से अधिक प्रिंसिपल, अध्यापक, शिक्षकों का सम्मान किया गया है एवं सम्मान के पश्चात सभी शिक्षकों के लिए स्नेह भोज का भी आयोजन किया गया।

माननीय नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय , ने कहा कि गुरु के पास सब चीज का उतर है और गुरु यह जानता है। बचपन में ही कि मेरे शिष्य की दौड़ कहाँ तक है? चाणक्य ने चन्द्रगुप्त को जंगल से पकड़कर उसको राजा चंद्रगुप्त बनाया। गुरु समाज के अंदर एक नौकरी पेशा व्यक्ति नहीं गुरु का

स्थान हमारे समाज में बहुत ऊपर है आप सीएिए इकलौते दोगाचार्य को गुरु मानकर एकलव्य एक बड़ा धनुर्धर बन गया। शिक्षक दिवस ये कोई सामान्य बात नहीं हमारे यहां गुरुओं का सम्मान हमारे बचपन से ही हमको सिखाते थे के माता पिता और गुरु तीनों के चरण स्पर्श कर तीनों ने आपको आशीर्वाद दे दिया तो भगवान के मंदिर जाने की जरूरत नहीं, आज सभी शिक्षकों को मैं सादर वंदन करता हूँ।

माननीय जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि राष्ट्रपति श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन की के जन्मदिवस को हम शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं, मैं आप सभी को मध्यप्रदेश सरकार की ओर से नमन करता और शुभकामनाएं देता हू, आप जानते हैं, भारत देश को विकसित भारत बनाने का जो सपना देखा है इसको हमारे शिक्षक पूरा कर सकते हैं, क्योंकि इस दौर में पूरी दुनिया वैज्ञानिक टेक्नोलॉजी के दौड़ में निरंतर आगे के बावजूद भी, राष्ट्र की धरोहर को विद्यार्थियों को जो ज्ञान संस्कार, आस्था, विश्वास की पढ़ाई करा रहे हैं, मैं ऐसे शिक्षकों को शाश्वत नमन करता हूँ।

राष्ट्रीय कवि श्री सत्यनारायण सतन ने कहा कि एक शिक्षक के पास सब उतर होते हैं। शिक्षक की कोई पूंजी नहीं है उसके विद्यार्थी ही

उसकी पूंजी होते हैं, गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु गुरु महेश्वरा, शिक्षक की कोई चरित्रावली क्या लिखेगा जो दूसरों के बच्चों को पढ़ाते पढ़ाते, एक साइकिल पर बैठकर के बीस किलोमीटर गांव की यात्रा कर बच्चों को पढ़ाते हैं। शिक्षक साक्षात मां सरस्वती का रूप है जो अधकार के सारे बंधन को हटा देता है, शिक्षक के मन में विद्यार्थी के साथ ही सभी के लिए अच्छा भाव रहता है उन्होंने कहा कि गुरु गुरु होता है कभी लघु नहीं होता है और जो लघु हो जाए वह गुरु नहीं होता , शिक्षक को हमेशा आत्म संतोषी होना चाहिए । मैं आप सभी शिक्षक को नमन करता हूँ।

महापौर श्री पुष्पमित्र भार्गव ने कहा कि शिक्षक के बिना आपका जीवन अधूरा है, आप जिस भी पद पर जहां भी पहुंचते हैं वह सब शिक्षक का दिया ही हुआ है, आज शिक्षक दिवस के अवसर पर मैं आप सभी शिक्षकों को सबसे पहले प्रणाम करता हूँ और पूरे शहर की तरफ से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ कि बच्चों को पढ़ाने का, जो सबसे कठिन काम है उसको आप जिस भाव से कर रहे हैं।

महापौर श्री भार्गव ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य दो मूलभूत काम ऐसे हैं जिसमें अभी हमको बहुत लंबा रास्ता तय करना अभी भी इंदौर में मध्य प्रदेश में देश में कई सारे स्कूलों, स्मार्ट और सर्व सुविधा युक्त बनाने की जरूरत बाकी है, लेकिन उन अभाव में भी बच्चों को बनाने का काम जो आप सभी के बीच है।

के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों की खरीद-

फरोख्त और तस्करी के खिलाफ क्राइम ब्रांच द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2026 में 1 जनवरी से अब तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 65 प्रकरणों में 138 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इन कार्रवाइयों में 2.97516 किलोग्राम एमडी ड्रग्स, 28.338 किलोग्राम गांजा, 500 किलोग्राम भांग, 327.42 ग्राम ब्राउन शुगर और 10 ग्राम कोकीन सहित करीब 3 करोड़ 73 लाख 98 हजार रुपए मूल्य के मादक पदार्थ एवं वाहन जब्त किए गए हैं।

यातायात पुलिसकर्मियों की सतर्कता से मोबाइल लेकर भाग रहा युवक पकड़ाया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तीन इमली चौराहे पर ड्यूटी के दौरान यातायात पुलिसकर्मियों की सतर्कता और तत्परता से राहगीर का मोबाइल लेकर बाइक से भाग रहा एक युवक पकड़ा गया। घटना 4 सितंबर 2026 की है।

तीन इमली चौराहे पर यातायात व्यवस्था संभाल रहे एसएसआई पंकज मंडलोई और आरक्षक 4602 शुभम को ड्यूटी के दौरान एक राहगीर के चिह्नों की आवाज सुनाई दी। से मोबाइल लेकर भाग रहे युवक को समग्र रहते पकड़ राहगीर ने बताया कि एक युवक उसका मोबाइल लेकर

भाजपा नगर कार्यसमिति की पहली बैठक आज, कैलाश विजयवर्गीय और राजेश सोलंकी देंगे मार्गदर्शन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा इंदौर महानगर की पहली नगर कार्यसमिति की बैठक 6 सितंबर को दोपहर 3 बजे ओमनी रेसीडेंसी, रेडिसन होटल के पीछे आयोजित की जाएगी। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय तथा नगर प्रभारी राजेश सोलंकी कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देंगे। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा और कैलाश पीपले ने बताया कि बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। इसमें मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्पमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, गोल्ड शुक्ला, मालिनी गौड़, महेंद्र हाडिया, मधु वर्मा, मनोज पटेल और जितू जिराती सहित नगर पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य शामिल होंगे। बैठक में प्रदेश प्रवक्ता, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, पार्षद, विधानसभा प्रभारी, मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी, प्रकोष्ठ एवं विभाग के प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चा के नगर अध्यक्ष व महामंत्री तथा सेवा संकल्प अभियान की टोली के सदस्य भी उपस्थित रहेंगे। बैठक को आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और कार्ययोजना की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

खराब ट्रक से बाधित हो रहा था यातायात, ट्रैफिक हेल्पलाइन पर सूचना मिलते ही टीम ने संभाली व्यवस्था

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यातायात संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए इंदौर यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा ट्रैफिक साथी एप और ट्रैफिक कंट्रोल हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। 4 सितंबर को नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर अवैध पार्किंग, नो-वे व वन-वे उल्लंघन तथा यातायात बाधित होने जैसी समस्याओं का मौके पर निराकरण कराया गया। सुदामा नगर सर्विस रोड पर अवैध पार्किंग की शिकायत मिलने पर क्रेन की सहायता से कार्रवाई करते हुए वाहनों को हटाया गया। ओल्ड एबी रोड पर नो-वे उल्लंघन की सूचना मिलने पर संबंधित पॉइंट को नोट कर आवश्यक कार्रवाई कराई गई। जवाहर मार्ग और नरसिंह बाजार में सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु कराया गया। इतवारिया बाजार में ई-रिक्शा की अवैध पार्किंग के कारण यातायात प्रभावित होने पर क्रेन की मदद से कार्रवाई की गई। अरविंदो के पास ट्रक खराब होने से यातायात बाधित होने की सूचना मिलते ही भ्रमण पार्टी और क्रेन को मौके पर भेजकर यातायात व्यवस्था बहाल कराई गई। वहीं संजय सेतु पर यातायात बाधित होने की सूचना पर पुलिस बल और क्रेन की सहायता से मार्ग को क्लियर कराया गया। पालदा रोड-नवलखा टर्न पर बस और मैजिक वाहन के कारण लेप्ट टर्न बाधित होने की सूचना भी संबंधित टीम को दी गई, जिसके बाद मौके पर कार्रवाई कर यातायात सुचारु कराया गया। यातायात प्रबंधन पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यातायात संबंधी किसी भी समस्या की सूचना ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर 7049107620 पर दें। इसके अलावा यातायात संबंधी सुविधाओं और शिकायतों के लिए इंदौर ट्रैफिक साथी एप का उपयोग किया जा सकता है।

यातायात पुलिसकर्मियों की सतर्कता से मोबाइल लेकर भाग रहा युवक पकड़ाया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तीन इमली चौराहे पर ड्यूटी के दौरान यातायात पुलिसकर्मियों की सतर्कता और तत्परता से राहगीर का मोबाइल लेकर बाइक से भाग रहा एक युवक पकड़ा गया। घटना 4 सितंबर 2026 की है।

तीन इमली चौराहे पर यातायात व्यवस्था संभाल रहे एसएसआई पंकज मंडलोई और आरक्षक 4602 शुभम को ड्यूटी के दौरान एक राहगीर के चिह्नों की आवाज सुनाई दी। से मोबाइल लेकर भाग रहे युवक को समग्र रहते पकड़ राहगीर ने बताया कि एक युवक उसका मोबाइल लेकर



बाइक से भाग रहा है। सूचना मिलते ही दोनों पुलिसकर्मियों ने बिना समय गंवाए युवक का पीछा किया और उसे पकड़ लिया।

पुलिसकर्मियों के अनुसार युवक जिस बाइक से भाग रहा था, उस पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी हुई थी। यातायात पुलिस ने युवक को पकड़ने के बाद अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए थाना भंवरकुआं पुलिस के सुपुर्द कर दिया। यातायात पुलिसकर्मियों की तत्परता से मोबाइल लेकर भाग रहे युवक को समग्र रहते पकड़ लिया गया।

रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवर बरामद किए गए। इधर यात्री से चैन लूटने वाला बदमाश गिरफ्तार- शासकीय रेलवे पुलिस (डीआरपी) ने मोबाइल और चैन लूटने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने पूछताछ चल रही है। दुर्ग (छत्तीसगढ़) निवासी रंजीत के साथ लूट की घटना हुई थी। रंजीत नागपुर-अंबेडकर नगर एक्सप्रेस से यात्रा कर रहा था।

विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस और जन्माष्टमी पर भव्य आयोजन, 32 अखाड़ों के करतब और मटकी फोड़ बनी आकर्षण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शुक्रवार को मंदसौर में भव्य चल समारोह और धर्म सभा का आयोजन हुआ। चल समारोह में 32 अखाड़ों, 6 झांकियों और दुर्गा वाहिनी के अखाड़े ने भाग लिया। गांधी चौराहे पर हुई मटकी फोड़ प्रतियोगिता मुख्य आकर्षण रही। गांधी चौराहे पर करीब 8 से 10 हजार श्रद्धालुओं की मौजूदगी रही।

चल समारोह शुक्रवार सुबह 11ः30 बजे केशव सत्संग भवन, खानपुरा से शुरू हुआ। शुरुआत में बाल गोपाल की प्रतिमा का पूजन और आरती की गई। सबसे आगे 6 घोड़ों पर पारंपरिक वेशभूषा में सवार बहनें रहीं। इसके बाद बैड-बाजों के साथ मातृशक्ति की कलश यात्रा निकली, जिसमें करीब 300 महिलाओं ने भाग लिया। उसके पीछे राधा-कृष्ण स्वरूप धारण किए बाल गोपालों की बग्गी वाली



झांकी और दुर्गा वाहिनी की बहनों का अखाड़ा रहा, जिसमें करीब 90 बहनों ने शस्त्र और आत्मरक्षा की कला का प्रदर्शन किया। भगवान शंकर और नंदी की झांकी, यादव समाज की ओर से श्रीनाथ भगवान की झांकी सहित कुल 6 झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। चल समारोह में 32 अखाड़ों

ने भाग लिया। अखाड़ों के उस्तादों और युवाओं ने लाठी, तलवार सहित पारंपरिक शस्त्र कलाओं का प्रदर्शन किया। गांधी चौराहे पर सभी अखाड़ों के एकत्रीकरण के बाद सामूहिक शस्त्र प्रदर्शन हुआ। इसके बाद क्रेन से 24 फीट की ऊंचाई पर दही-हांडी मटकी लगाई गई और धर्म सभा शुरू हुई।

मंच पर परम पूज्य स्वामी श्री सनिष्णंद जी सरस्वती, गुरुदेव स्वामी चंद्रेश जी चैतन्य, भगवताचार्य विष्णु जी शर्मा, मुख्य अतिथि प्रदीप जी जैसवार, विभाग मंत्री अनुपाल सिंह झाला, जिला अध्यक्ष प्रवीण मंडलोई, जिला मंत्री हेमंत बुलचंदानी, जिला संयोजक अनिल धनगर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। राम दरबार और भारत माता के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम शुरू हुआ। संत समाज ने कहा कि सनातन धर्म सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना के साथ पूरे विश्व के कल्याण की कामना करता है। हिंदू समाज की शक्ति उसकी संस्कृति, संस्कार, सेवा, संयम और संगठन में है। नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़ना चाहिए। मुख्य वक्ता विभाग मंत्री अनुपाल सिंह झाला ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हिंदू समाज में व्यापक जागृति आई है। युवा अपनी संस्कृति और धार्मिक पहचान से फिर जुड़ रहा है। विधिप

का उद्देश्य समाज को संगठित, संस्कारित और सशक्त बनाना है। युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के लिए नए अखाड़े शुरू किए जा रहे हैं, ताकि युवा बलोपासना और अनुशासन से जुड़ें और नशे से दूर रहें। कार्यक्रम में 32 अखाड़ों को 16 शस्त्र - तलवार, त्रिशूल, खांडा, फरसा, भन्नाटी भेंट किए गए। उस्तादों का सम्मान किया गया और 5500 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। धर्म सभा के बाद मटकी फोड़ प्रतियोगिता हुई, जिसमें 8 टीमों ने भाग लिया। बजरंग व्यायामशाला, कुबेरनगर खिलचीपुर की टीम ने 24 फीट की मटकी फोड़कर विजेता स्थान प्राप्त किया। गल्याखेड़ी-खेड़ी की टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया। पूरा गांधी चौराहा जय श्री राम और जय श्रीकृष्ण के जयघोष से गूंज उठा। संचालन बजरंग दल जिला विधायी प्रमुख गोपाल कुमावत ठाकं ने किया, अतिथि परिचय गौरव शर्मा ने कराया। आधार सूरज कुमावत ने माना।

बालक स्कूल क्रमांक 2 में शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का अभिनंदन, छात्रों ने किया सम्मान



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षक दिवस के अवसर पर लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2, मंदसौर में शिक्षकों के सम्मान एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री काका जी

ऑटोमोटिव एवं श्री महिंद्रा फोर व्हीलर शोरूम, मंदसौर के संचालक, वरिष्ठ समाजसेवी एवं एनसीसी के पूर्व छात्र जगदीश चौधरी तथा उनके सहायक पदाधिकारी कुलदीप सिंह शकावत द्वारा विद्यालय के समस्त शिक्षकगण का सम्मान किया गया। जगदीश चौधरी द्वारा छात्रों को उद्बोधन दिया गया, जिसमें छात्रों को शिक्षा का महत्व एवं गुरुओं का आदर करने की सलाह दी। उन्होंने गुरु की महत्ता के बारे में छात्रों को बताया। कुलदीप सिंह शकावत द्वारा छात्रों को भगवान श्री कृष्ण के शिक्षा संबंधी प्रसंग के बारे में बताया गया एवं आज के जीवन में शिक्षा के महत्व की जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व छात्र एवं सरपंच चांगली गंगेश परमार, पूर्व छात्र पटेल मोटर्स के कर्मचारी जितेंद्र राव जगताप एवं किशोर चौहान ने भी शिक्षकों का सम्मान किया तथा विद्यालय में बिताए अपने अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ साझा किया कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र चौरसिया द्वारा किया गया। विद्यालय के प्राचार्य विजय सिंह पुरावत ने अपने उद्बोधन में शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को भारत के द्वितीय राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं शिक्षा के क्षेत्र में अनेक योगदान के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ के पुष्पेंद्र कुंवर चौहान, श्रीमती मंगोलिया, दीपक तिवारी, सुरेश परमार, रामगोपाल राठौर, राजेंद्र भोई, निशिकांत त्रिवेदी सहित समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में हंसा दुबे द्वारा उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया गया।

500 फीट गहरी खाई के मुहाने पर दौड़ी कोटा डिपो की बस, टायर के सभी बोल्ट गायब; 70 ज़िंदगी सुरक्षित



सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान रोडवेज प्रबंधन यात्रियों की सुरक्षा को लेकर कितना लापरवाह है, इसका एक रंगटे खड़े कर देने वाला उदाहरण शनिवार को रतनगढ़ घाट सेक्शन में देखने को मिला। कोटा से बांसवाड़ा जा रही कोटा डिपो की रोडवेज बस (क्रमांक RJ02PA8775) के पिछले पहिए के सभी बोल्ट चलती गाड़ी में समा जाी और देश का एक बड़ा बस हद्दसा हो सकता था।

में एक-एक कर निकल गए। इसके बाद यह बस भगवान भरोसे केवल बाँड़ी के सहारे घिसटते हुए रतनगढ़ बस स्टैंड तक पहुंच गई। गनीमत रही कि जब यह तकनीकी खराबी हुई, तब बस घाट की ढलान पर थी और पहिया पूरी तरह बाहर नहीं आया। अगर टायर निकल जाता, तो बस सीधे 500 फीट गहरी खाई में समा जाती और देश का एक बड़ा बस हद्दसा हो सकता था।

चीख-पुकार के बाद भी दौड़ती रही बस- यात्रियों ने बताया कि जब बस रतनगढ़ घाट की खतरनाक ढलान और अंधाधुंध मोड़ों को पार कर रही थी, तभी पिछले हिस्से से जोर-जोर से खटखट की आवाज आने लगी थी। सहमे यात्रियों ने चालक और परिचालक को इसकी जानकारी भी दी, लेकिन उन्होंने इसे मामूली आवाज समझकर अनसुना कर दिया और बस दौड़ती रही। जब बस रतनगढ़ बस स्टैंड के कॉर्नर पर पहुंची, तो वहां खड़े एक स्थानीय नागरिक की नजर लहराते हुए पहिए पर पड़ी। उसने जोर-जोर से चिल्लाकर बस को रुकवाया। बस रुकते ही जब यात्रियों ने नीचे उतरकर देखा, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई।

शर्मनाक- एक टायर के बोल्ट गायब, दूसरा मिला पंचर - वर्कशॉप के मेंटेनेंस की पोल खोलती इस बस का पिछला एक टायर बिना किसी बोल्ट के सिर्फ चेसिस और बाँड़ी के दबाव पर अटका हुआ था। वहीं, उसके ठीक पास लगा दूसरा सपोर्टिंग टायर भी पूरी तरह घिसा हुआ और पंचर था।

सम्मान और आक्रोश: शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का मौन शंखनाद, बांह पर काली पट्टी बांधकर पढ़ाया

सिंगोली-रतनगढ़ क्षेत्र के शासकीय स्कूलों में दिखा अनोखा विरोध

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षक दिवस पर जहाँ एक ओर देश भर में राष्ट निर्माताओं का सम्मान हो रहा था, वहीं सिंगोली और रतनगढ़ तहसील क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में आज एक बेहद भावुक और आक्रोशित कर देने वाला नजारा देखने को मिला। अपनी सेवा सुरक्षा और सम्मान की रक्षा के लिए क्षेत्र के सैकड़ों गुरुजनों ने आज अपनी बांह पर काली पट्टी (काला रिबन) बांधकर कक्षाओं में प्रवेश किया। शिक्षकों का यह मौन आक्रोश मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा पुरानी सेवाओं को दरकिनार कर थोपी जा रही शिक्षक पात्रता परीक्षा के खिलाफ था।



कर्तव्य भी निभाया, विरोध भी जताया- मध्य प्रदेश शासकीय तृतीय वर्ग कर्मचारी सूच्य तहसील इकाई सिंगोली-रतनगढ़ के आह्वान पर आयोजित इस सांकेतिक बहिष्कार की सबसे खास बात

यह रही कि शिक्षकों ने अपने आंदोलन के कारण बच्चों का भविष्य प्रभावित नहीं होने दिया।

सभी शिक्षक समय पर स्कूलों में उपस्थित हुए, प्राथना सभा में भाग लिया और पूरी निष्ठा के साथ कक्षाओं में अध्यापन कार्य कराया। लेकिन हाथों पर बंधी काली पट्टी शासन की नीतियों के प्रति उनके तीव्र असंतोष की कहानी बयां कर रही थी।

पूर्व विधायक स्व. पुरोहित के घर सेंधमारी पड़ी महंगी, 5 राज्यों में 17 नकबजनी करने वाला बागड़िया गैंग बेनकाब

एसपी विनोद मीना की मॉनिटरिंग में नाहरगढ़ पुलिस का बड़ा धमाका, मंदसौर जिले के 8 केस में 20 लाख के जेवर बरामद, 2 गिरफ्तार, 4 फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर पुलिस ने शांति अंतरराज्यीय बागड़िया गैंग का पर्दाफाश किया है, जो पानी पीने और सामान बेचने के बहाने घरों की रैकी करता था और मौका मिलते ही नकबजनी को अंजाम देता था। मंदसौर में गैंग ने पूर्व विधायक स्व. ओमप्रकाश पुरोहित के हाउसिंग बोर्ड स्थित घर पर 18 जुलाई को सेंधमारी की थी, लेकिन ये कलाकारी गैंग के लिए महंगी पड़ गई। 5 राज्यों में 17 नकबजनी करने वाला बागड़िया गैंग बेनकाब हुआ। गौरतलब है कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में वर्तमान सांसद सुधीर गुप्ता का भी निवास है, इनके घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे बदमाशों की हरकतें कैद हुई थी। घर सूना था और प्रोफेसर क्षितिज पुरोहित परिवार सहित इंदौर गये थे, तब वारदात हुई थी। पुलिस ने आरोपियों से 20 लाख के सोने-चांदी के जेवराल के अलावा वारदात में इस्तेमाल होने वाले 2 टॉमी, 1 इलेक्ट्रॉनिक कटर, 2 लक्स और 1 प्लास्टिक प्लास भी जब्त किया है। मंदसौर जिले के 8 केस में 20 लाख के जेवर बरामद हुए हैं। मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार



है, जिसमें एक पूर्व से जेल में बंद है, उसे भी प्रोडक्शन वारंट पर लिया जाएगा, वहीं फरार चार और आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना की मॉनिटरिंग में नाहरगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक वरुण तिवारी एवं कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए गैंग के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में 5 राज्यों - मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र और दिल्ली-एनसीआर में 17 चोरी-नकबजनी की वारदातों का खुलासा हुआ है। आरोपियों की निशानदेही पर करीब 20 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवराल की शत-प्रतिशत बरामदगी की गई है। बागड़िया गैंग का

तोड़कर वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते थे। कोतवाली निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौर और साइबर सेल की टीम ने जब तकनीकी जांच शुरू की तो परत-दर-परत 17 वारदातें खुलती गईं। पुलिस के अनुसार गैंग ने इंदौर, रतलम, आगरा, राजसमंद, नाथद्वारा, उदयपुर, मालेगांव, धुलिया, दिल्ली और गुरुग्राम में वारदातें की हैं। मंदसौर में पूर्व विधायक स्व. पुरोहित के घर हुई चोरी भी इसी गैंग ने की थी। इस संबंध में पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना ने प्रेस वार्ता भी की, उन्होंने कहा कि चोरी की वारदात सिर्फ आर्थिक नुकसान नहीं पहुंचाती। कई बार इसमें पीड़ित की वर्षों की मेहनत, उसकी पूंजी और भावनाएं जुड़ी होती हैं। ऐसे

अपराधों को ट्रेस कर मशरूका वापस दिलाता पुलिस के लिए बड़ी चुनौती होती है। हमारी टीम की मेहनत और तकनीकी जांच से यह सफलता मिली है आरोपीगण में शिवराम उर्फ हनुमान पिता लादुराम बागरिया निवासी ग्राम देवरिया कला, जिला अजमेर, सावरा पिता रमेश बागरिया निवासी चपानेरी जिला अजमेर, मुदकाम विजनगर ब्यावर, कालुराम पिता रतनलाल बागरिया निवासी चपानेरी जिला अजमेर शामिल हैं।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली मंदसौर पुष्पेंद्र सिंह राठौर, थाना प्रभारी नाहरगढ़ निरीक्षक वरुण तिवारी, उनि शैलेन्द्र सिंह कनेरा, उनि संदीप मोर्य, प्रआर उमंग शर्मा, प्रआर अर्जुन सिंह राठौर, प्रआर हरिश यादव, प्रआर आशिष बैरागी (सायबर सेल), प्रआर मनिरप बघेल (सायबर सेल), प्रआर मुजफ्फरुद्दीन (सायबर सेल), आर हरिश राठौर, आर अशुतोष, आर मंगल व आर शैलेन्द्र सिंह व टीम का सराहनीय योगदान रहा।

खेत की मेड़ पर रेंगता दिखा 8 फीट लंबा अजगर

ग्रामीणों में मची खलबली; वन विभाग ने सूझबूझ से किया रेस्क्यू

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली क्षेत्र के ग्राम रघुनाथपुरा में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक खेत की मेड़ पर ग्रामीणों ने विशालकाय अजगर को रेंगते हुए देखा। करीब 8 फीट लंबे इस भारी-भरकम अजगर को देखकर ग्रामीणों के होश उड़ गए और इलाके में दहशत का माहौल बन गया। हालाँकि, ग्रामीणों की सजगता और वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा खतरा टल गया। वन स्टाफ ने अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे जंगल में छोड़ दिया है।मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम रघुनाथपुरा के समीप किशन लाल पिता मथुरालाल भाम्बों के खेत की मेड़ पर घनी झाड़ियां हैं। जब ग्रामीण खेत के आसपास मौजूद थे, तभी झाड़ियों के बीच



हलचल हुई।

पास जाकर देखने पर ग्रामीणों के पैरों तले जमीन खिसक गई; वहां एक विशालकाय अजगर कुंडली भर बैठा था। अजगर को देखते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने बिना वक गंवाए इसकी सूचना तुरंत वन परिक्षेत्र का माहौल बन गया। हालाँकि, ग्रामीणों की सजगता और वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा खतरा टल गया। वन स्टाफ ने अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे जंगल में छोड़ दिया है।मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम रघुनाथपुरा के समीप किशन लाल पिता मथुरालाल भाम्बों के खेत की मेड़ पर घनी झाड़ियां हैं। जब ग्रामीण खेत के आसपास मौजूद थे, तभी झाड़ियों के बीच

रतनगढ़ को दी।उड़न दस्ते से पहुंचाया जंगल, प्राकृतिक आवास में छोड़।सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी बापुलाल दायमा के कुशल मार्गदर्शन में वन विभाग की रेस्क्यू टीम तुरंत हरकत में आई। आवश्यक संसाधनों के साथ मौके पर पहुंचे वन कर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम ने बेहद सूझबूझ और सावधानी का परिचय देते हुए झाड़ियों में छिपे

सिंगोली में राजस्थान रोडवेज का कहरः बाइक सवार पत्रकार व समाजसेवी महेंद्र सिंह को पीछे से रौंदा, हाथ में गंभीर फ्रैक्चर, होंगा ऑपरेशन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कस्बे में शनिवार को राजस्थान रोडवेज के एक चालक की लापरवाही और तेज रफ्तार ने एक बड़े हादसे को आमंरण दे दिया। कोटा से उदयपुर की ओर जा रही राजस्थान रोडवेज की बस ने बाइक सवार स्थानीय पत्रकार एवं समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपूत (44) को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और महेंद्र सिंह सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में उनके सीधे हाथ, पैर और कंधे में गंभीर चोटें आई हैं। नीमच के हड्डी रोग विशेषज्ञों ने परीक्षण के बाद बताया कि हाथ में बड़ा फ्रैक्चर है, जिसे ठीक करने के लिए मेजर ऑपरेशन (सर्जरी) करना होगा।



अंधाधुंध गति से दौड़ रही थी बस, बाल-बाल बची जान- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राजस्थान रोडवेज की बस क्रमांक RJ14PE 4796 का चालक किशोर सिंह वाहन को अत्यंत लापरवाही और तेज गति से दौड़ा रहा था। इसी दौरान वार्ड क्रमांक 15 निवासी महेंद्र सिंह राजपूत अपने घर से दुकान की तरफ जा रहे थे। बस चालक ने पीछे से उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत रही कि गिरने के बाद महेंद्र सिंह बस के टायरों के नीचे आने से बच गए, अन्यथा कोई बड़ी जनहानि हो सकती थी। दुर्घटना में बाइक का अगला हिस्सा (वाइजर और लाइट) पूरी तरह चकनाचूर हो गया।

एक लोकप्रिय समाजसेवी और पत्रकार पर हुए इस हादसे की खबर फैलते ही क्षेत्र के नागरिकों और शुभचिंतकों में रोडवेज प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है।

थाने में खड़ी कराई बस, बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज सिंगोली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कानूनी कार्रवाई की है। घायल महेंद्र सिंह की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी चालक किशोर सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 281 (लापरवाही से वाहन चलाना) और 125(A) (व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल रोडवेज बस को जब्त कर थाने में खड़ा करवा दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नीमच में अफीम की बड़ी खेप पकड़ी

11.7 किलो बाल के साथ नीमच की महिला गिरफ्तार, 58.50 लाख का नशा जब्त, आरोपी साथी फरार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच सिटी पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 किलो 700 ग्राम अवैध अफीम बरामद की है। पुलिस ने मौके से 40 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है। जब्त अफीम की अनुमानित कीमत 58 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है।



पुलिस के मुताबिक, 5 सितंबर को अपराध विवेचना के दौरान आमरोड दरक वेयर हाउस के सामने यूनिक वेलिंडा वर्क्स की बंद गुमटी के आगे गिरदौड़ा क्षेत्र में एक महिला पर संदेह हुआ। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से बड़ी मात्रा में अफीम बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर पंचों की मौजूदगी में 11.700 किलोग्राम अफीम जब्त कर महिला को गिरफ्तार किया। आरोपी महिला की पहचान ममता उर्फ बंटी पति मुकेश, उम्र 40 वर्ष, निवासी बोरखेड़ी

पानड़ी के रूप में हुई है।

पूछताछ में सामने आया दूसरा नाम- पुलिस ने मामले में अफीम उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति के रूप में शान्तिबाल पिता नारालाल मीणा, निवासी रावण रूंडी, नीमच सिटी का नाम सामने आने की बात कही है। उसके खिलाफ धारा 8/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत सहआरोपी बनाया गया है और उसकी तलाश जारी है। वहीं गिरफ्तार महिला के खिलाफ थाना नीमच सिटी में धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

किसके इशारे पर पहुंची थी

इतनी बड़ी खेप- 11 किलो से ज्यादा अफीम की बरामदगी के बाद अब पुलिस की जांच का फोकस इस बात पर है कि यह खेप कहाँ से लाई गई थी, किसे

पहुँचाई जानी थी और इसके पीछे तस्करी का नेटवर्क कितना बड़ा है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के आधार पर आगे की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री और डीजीपी के निर्देश पर चलाए जा रहे मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत की गई। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल एवं नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक विजय सागरिया के नेतृत्व में थाना नीमच सिटी टीम ने की।

विद्यार्थियों के आधार के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट में रतलाम शीर्ष पांच जिलों में

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विद्यार्थियों के आधार के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) के लिए संचालित 'विद्यार्थी के लिए आधार' अभियान में रतलाम जिले ने अगस्त 2026 में प्रदेश के शीर्ष पांच प्रदर्शन करने वाले जिलों में स्थान प्राप्त किया है। जिले ने जुलाई 2026 के बाद लगातार दूसरे माह बेहतर प्रदर्शन करते हुए अगस्त माह में 14.4 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। कलेक्टर श्री अजय कटेसरिया के मार्गदर्शन एवं सतत मॉनिटरिंग में जिले में विद्यार्थियों के आधार के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को आधार अपडेट की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही संबंधित विभागों द्वारा अभियान की नियमित समीक्षा एवं प्रगति की निगरानी की जा रही है।

सम्पादकीय

विकसित भारत के लिए कौशल विकास की नई परिकल्पना जरूरी, पुरानी व्यवस्था से नहीं बनेगी बात

पिछले महीने जारी हुई नीति आयोग की रिपोर्ट ‘रीइमेर्जिनिंग स्किलिंग फॉर विकसित भारत एफ़ 2047’ यानी ‘2047 के विकसित भारत के लिए कौशल की नए सिरे से परिकल्पना’ अपने शीर्षक के अनुरूप और बेहतर हो सकती थी। रीइमेर्जिनिंग का तात्पर्य है उन बातों को स्पर्श करना और प्रश्न करना जिन पर अब तक प्रश्न नहीं उठाए गए हैं। यह केवल मौजूदा मशीनी प्रक्रियाओं को सुधारने या परिचालन व्यवस्था को उन्नत करने की बात नहीं है बल्कि ढांचे और मूल सवालों को हल करने की बात है। इतना ही नहीं जरूरत पड़े पर एकदम अलग समाधान भी तैयार किया जा सकता है।

रिपोर्ट ने खोज, पहुंच, वहीनीयता, इंटरैनिशप और प्रमाणन जैसी चीजों में सुधार की पेशकश की है। फिर भी यह एक ऐसी फैक्ट्री जैसी लगती है जिसे दक्षता, पैमाने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए पुनः डिजाइन किया गया है बिना यह पूछे कि जो उत्पाद क्या तैयार कर रही है उन्हें मूल रूप से अलग होना चाहिए या नहीं और क्या यह फैक्ट्री उन्हें बना सकती है या बनाना चाहिए।

रिपोर्ट ने युवाओं से मौजूदा कौशल प्रणाली की समस्याओं पर बात की और ग्राहकों की बात सुनी लेकिन यह सवाल कि मौजूदा पेशकश में क्या सही या गलत लगता है, यह प्रश्न अभी भी उत्पाद केन्द्रित है न कि उपभोक्ता केन्द्रित। नए सिरे से परिकल्पित कौशल-विकास व्यवस्था का निर्माण काम की बदलती दुनिया को केंद्र में रखकर किया जाना चाहिए। मसलन आर्टिफिशल इंटेलिजेंस उद्योग की बेतहाशा वृद्धि के परिणामस्वरूप हजारों की संख्या में इलेक्ट्रीशियन और बर्द्ध भती किए जा रहे हैं।

जर्नल ऑफ़ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन में प्रकाशित एक हालिया लेख में यह अनुमान दिया गया कि 2030 तक स्वास्थ्य एआई मानव-सहयता प्राप्त देखभाल से आगे निकल सकता है और यह भी कि निर्णय-प्रक्रिया में मनुष्यों को बनाए रखना, एआई के प्रदर्शन में बाधा डाल सकता है। यहां तक कि समानुभूति के मामले में भी जिसे आमतौर पर मनुष्य का आखिरी मजबूत पक्ष माना जाता है। लेख के अनुसार चैटबॉट इसमें मनुष्यों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

भविष्य लगातार आकार ले रहा है। उसकी रूपरेखा का अनुमान लगाना कठिन है और कौशल की मांग की हर नई लहर का जीवनकाल भी संभवतः छोटा होने वाला है। इसलिए वास्तव में नए सिरे से कल्पना करने का अर्थ ऐसे ‘मेटा सिस्टम’ की संरचना तैयार करना है जो लगातार हो रहे बदलावों को पहचान सके उन्हें समझ सके और उनके अनुरूप लगातार प्रतिक्रिया दे सके। रिपोर्ट की एक प्रमुख विशेषता यह है कि वह ‘उद्योग’ नाम की चीज पर बहुत अधिक निर्भर करती है। यह उद्योग पाठ्यक्रमों को सह-डिजाइन करेगा, अप्रेंटिसशिप का ख्यामिल संभालेगा, प्लेसमेंट उपलब्ध कराएगा और इसी तरह की अन्य भूमिकाएं निभाएगा। लेकिन ‘उद्योग’ को बड़े कारोबारी समूहों और संगठित क्षेत्र की उन कंपनियों के रूप में देखने की धारणा जो बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करती हैं, अब अप्रासंगिक हो चुकी है। आज ऐसे उद्योग में कार्यबल का केवल एक स्थिति उद्योग हिस्सा है जो रोजगार पाता है। यह मानकर चलना कि 2047 तक बहूत जल्द जागीगी जोकिम भरा हो सकता है। नए सिरे से कल्पना करने में यह सवाल शामिल है कि आज उद्योग क्या है और क्या वह वे सभी भूमिकाएं निभा सकता है जिनकी अपेक्षा यह रिपोर्ट उससे करती है? क्या छोटे और मझोले उपक्रम जो आज भारत में सबसे बड़े नियोजकों हैं, वही उद्योग बन सकते हैं जो इन अपेक्षाओं को पूरा करें? इसकी संभावना कम है जब तक कि उन्हें इस भूमिका को निभाने में सक्षम और इच्छुक बनाने के लिए कुछ नए सिरे से कल्पना न की जाए।

बैंकों को शिक्षा ऋण अधिक आसानी से और बड़े पैमाने पर उपलब्ध कराने के लिए कैसे तैयार किया जा सकता है इस पर नए सिरे से विचार करना बेहद उपयोगी होगा। हां, आजीवन सीखने के लिए वाउचर भविष्य में मुभ्त खाद्यान्न की तरह एक नया सार्वभौमिक सहारा बन सकते हैं।

कौशल-विकास संस्थाओं को उनके प्लेसमेंट के आधार पर वित्तपोषित करने की सिफारिश चिंताजनक है। वास्तव में लक्ष्य तो ऐसे उच्चस्तरीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों का निर्माण होना चाहिए जो बदलती दुनिया के लिए उच्च गुणवत्ता वाले ‘उत्पाद’ यानी लोगों को तैयार करने, उन्हें प्रभावी ढां से शिक्षा-प्रशिक्षण देने और अपनी व्यवस्था को लगातार बदलती जरूरतों के अनुरूप ढालने में सक्षम हों।

रिपोर्ट जिस परिणामोन्मुखी व्यवस्था की वकालत करती है उसका अर्थ यह होगा चाहिए कि संस्थानों को अनुदान ऐसे संस्थागत मानकों के आधार पर दिया जाए जो शिक्षा के लिए अधिक उपयुक्त हैं न कि प्लेसमेंट के आधार पर जो किसी बिक्री एजेंसी के लिए तो अधिक उपयुक्त हो सकता है और जिसमें हेराफेरी की आशंका भी रहती है। शिक्षा मंत्रालय पहले ही ऐसे गुणवत्ता मानकों पर काम कर चुका है।

रिपोर्ट में अन्य देशों का भी संदर्भ दिया गया है लेकिन उनसे चुनिंदा चीजें ही ली गई हैं। अमेरिका में भी व्यावसायिक शिक्षा को लेकर विमर्श बरल रहा है। दिलचस्प बात यह है कि वहां स्नातक डिग्री हासिल कर चुके उन लोगों के लिए भी अनुदान उपलब्ध हैं, जो दोबारा प्रशिक्षण लेकर अपना कौशल बदलना चाहते हैं। भारत के लिए यह बहद प्रासंगिक और आसानी से अपनाया जा सकने वाला उपाय है। इससे कौशल-विकास को मुख्य धारा में लाने का लक्ष्य भी हासिल हो सकता है और पारंपरिक कॉलेज शिक्षा तथा कौशल विकास के बीच मौजूद उस कथित पदानुक्रम या वर्ग-व्यवस्था को कमजोर किया जा सकता है, जिसका उल्लेख रिपोर्ट स्वयं करती है।

सहजयोग ध्यान मस्तिष्क को संतुलित तथा बलवान बनाता है



सहज योग में हनुमान चालीसा पाठ से हम अपने भविष्य की नाड़ी यानि पिंगला नाड़ी को संतुलित करते हैं। हनुमान चालीसा की चौपाइयों में से एक चौपाई है राम रसायन तुम्हारे पास सदा रहो रघुपति के दासा। इस चौपाई में गोखम्बी तुलसीदास जी ने जिस बात पर प्रमुख रूप से इशारा किया है वह है राम रसायन। विचार करने वाली बात यह है कि यह राम रसायन क्या है। राम का तात्पर्य हम सपूर्ण आत्माओं की आत्मा यानि कि परमात्मा है। वहीं रसायन का मतलब साधारण भाषा में द्रव्य पदार्थ होता है। इन दोनों शब्दों पर गहराई से विचार करने पर यह बात सामने आती है कि हनुमान चालीसा में वर्णित इस चौपाई का हमारे मस्तिष्क से सीधा संबंध है। आत्मा का मूल स्थान मस्तिष्क की कोंशिकाओं के अंदर बने ढांचों में होता है जिसे माइक्रोट्यूबुल्स कहते हैं।

वैज्ञानिक भी इस बात को सिद्ध कर चुके हैं कि हमारे मस्तिष्क में कई प्रकार के रसायन बनते रहते हैं जब हम अच्छे विचारों से ओतप्रोत होते हैं तो उस समय हमारे मस्तिष्क से ऐसे द्रव्य प्रवाहित होते हैं जिनके असर से जीवन उच्चतम स्तर पर पहुंच जाता है, इसी के साथ-साथ हमारी भावनायों तो दूर होती ही है साथ ही बाहर की परिस्थितियां भी अनुकूल हो जाती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो हमारे शरीर में कुछ ऐसे रसायन होते हैं जो मस्तिष्क के खास हिस्सों में विशिष्ट ग्रंथियों से निर्मित होते हैं इन्हें न्यूट्रोट्रांसमिटरर्स कहते हैं। ये ऐसे रसायन हैं जो सचेत-विचार के जरिए हमारे व्यवहार और आचरण को प्रभावित करते हैं। सहज योग ज्ञान?? से हम जानते हैं कि श्री राम का स्थान हमारे आंतरिक सूक्ष्म शरीर के हृदय चक्र के दाहिनी ओर है और हनुमान जी भी शरीर के दाहिनी ओर पिंगला? नाड़ी पर नीचे मूलाधार से ऊपर सहस्रचार तक अपनी शक्ति संचालित करते रहते हैं। आत्मा का स्थान हृदय में व प्रकाश मस्तिष्क तक होता है। पिंगला नाड़ी हमारे भविष्य की नाड़ी है और जब राम का रसायन यानि ईश्वरीय चैतन्य हमारे शरीर में प्रवाहित होता रहता है तब हमारे जीवन की सभी योजनाओं को ईश्वर का आशीष प्राप्त होता है। सहज योग हमें ईश्वर से जुड़ने का मार्ग बताता है। सहजयोग ध्यान द्वारा अपने सूक्ष्म शरीर में चक्रों में उपस्थित शक्तियों का साहज्यो अनुभव संभव है। आइए सहज योग से जुडकर अपने जीवन को निरोगी और स्वस्थ करें।

वर्तमान समय की सबसे भयावह महामारी अस्पतालों में नहीं, घरों के भीतर चल रही है। इसका न कोई परीक्षण है, न तापमान, न कोई चिकित्सकीय रिपोर्ट। यह चुपचाप रिशतों में उतरती है और उनकी धड़कनें धीमी कर देती है। इसका नाम है—संस्कारहीन रिशते। समाचारों की सुर्खियाँ हत्या, तलाक, पारिवारिक कलह और टूटते घर दिखाती हैं, पर उन घटनाओं के पीछे पसरा वह सन्नाटा नहीं दिखातीं, जहाँ कभी अपनापन साँस लेता था। असली त्रासदी तब होती है, जब अपने ही लोग एक-दूसरे के लिए अजनबी बन जाते हैं। संस्कार रिशतों की रखवाली छोड़ दें तो मकान तो खड़े रहते हैं, कमरे भी भरे रहते हैं—बस घर भीतर से वीरान हो जाता है।

कभी रिशते मिट्टी जैसे थे—नरम, लचीले, एक-दूसरे में घुले हुए। संस्कार वह पानी थे, जो बिखरे कणों को जोड़कर परिवार गढ़ते थे। आज वही मिट्टी सूख रही है। अहंकार की एक चुपन, स्वार्थ की एक परत और सुविधा की एक आँधी रिशतों में दरार डाल देती है। हमने संबंधों को भावनाओं से नहीं, फायदे से तौलना शुरू कर दिया है—सुविधा रही तो रिशता रहा, सुविधा गई तो अपनापन भी गया। अदालतों के पारिवारिक विवाद और रोज की सुर्खियाँ यसी बिखराव के कण हैं। सवाल यह नहीं कि रिशते क्यों टूट रहे हैं, सवाल यह है कि उन्हें बाँधने वाला संस्कारों का पानी हमारी इथेलियों से कब रिस गया।

आज परिवार एक छत के नीचे रहता है, पर एक-दूसरे के भीतर नहीं उतरता। खाने की मेज पर थालियाँ

लियोनेल मेसी की शानदार विदाई, 21 साल के प्रतिहासिक करियर का भावुक अंदाज में अंत

दो दशक से अधिक के अंतराल पर जन्मे अर्जेन्टीना के दो महान खिलाड़ियों ने वैश्विक फुटबॉल संस्कृति में आए बदलावों पर परिभाषित किया है-डिगो माराडोना और लियोनेल 'लियो' मेसी, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की है। गिरेसुदेह सर्वकालिक महानतम ?खिलाड़ी माने जाने वाले माराडोना को 1994 विश्व कप के दौरान ड्रा टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने के बाद निरलंबन के कारण 34 वर्ष की आयु में अपना अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त करने के लिए मजबूर होना पड़ा। तीन साल बाद उन्होंने पेशेवर फुटबॉल से संन्यास ले लिया, इस तरह एक ऐसे करियर का अंत हुआ जो प्रतिभा, ड्रास, शराब और बदनामी से भरा था।

अब उनके हमवतन और दूसरे सर्वकालिक महानतम ?खिलाड़ी लियो मेसी 21 वर्षों तक शानदार प्रदर्शन करने के बाद 39 वर्ष की आयु में संन्यास ले रहे हैं। अर्जेन्टीना की राष्ट्रीय टीम ला अल्बिसेलेस्ते से वह दूसरी बार संन्यास ले रहे हैं। उनके करियर में सिर्फ एक ही विवाद रहा है, साल 2016 में टैक्स चोरी का मामला, जिसके लिए उन्होंने अपने पिता को जिम्मेदार ठहराया था। मेसी ने आठ बार प्रतिष्ठित 'बैलोन डी'ओर पुरस्कार प्राप्त किए।

वह अर्जेन्टीना के राष्ट्रीय फुटबॉल के इतिहास में सबसे अधिक गोल (125) करने वाले खिलाड़ी हैं और उन्होंने कई अन्य उपलब्धियों के साथ अपने देश के लिए सबसे अधिक आधिकारिक आंतराष्ट्रीय टूर्नामियाँ (विश्व कप और ओलिंपिक स्पर्ध सहित छह) जीतीं। हालांकि उनकी टीम को 2026 विश्व कप में स्पेन से पराजय मिली लेकिन वह शानदार तरीके से संन्यास ले रहे हैं। आधुनिक फुटबॉल के बेहद चुनौतीपूर्ण मानकों के अनुसार, मेसी व्यक्तिगत अनुशासन, प्रतिभा और धन (वह कई भारतीय कंपनियों के ब्रांड एंबेसेडर रहे हैं) के उस संयोजन का प्रतिनिधित्व करते हैं जो आजकल के शीर्ष फुटबॉल ?खिलाड़ियों की पहचान है। वर्ष 2016 में प्रमुख टूर्नामेंटों में लगातार तीन हार से निराश होकर, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

कोपा अमेरिका के शताब्दी संस्करण में चिली के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में उनसे चूक हुई, 2014 विश्व कप में जर्मनी से 1-0 की हार का सामना करना पड़ा, जब अतिरिक्त समय में उनका अंतिम प्रयास गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया और 2015 कोपा अमेरिका में चिली के खिलाफ हार देखनी पड़ी।

इन सबसे उन्हें बहुत दुख पहुंचा लेकिन अर्जेन्टीना के उन्हीं प्रशंसकों के दबाव में, जिन्होंने उनकी आलोचना की थी, और माराडोना के समझाने-बुझाने पर मेसी ने कुछ ही हफ्तों में अपना फैसला बदल दिया। इसके बाद उन्हें न्याय मिला- 2022 में फ्रांस के खिलाफ यादगार विश्व कप जीत और 2021 तथा 2024 में कोपा अमेरिका की टूर्नामियाँ। तब तक वह बारसिलोना में अपने गुरु, असाधारण पेप गाँयडोला द्वारा तराशी गई 'फॉर्ल्स नाइन' पोजीशन के विश्व के सबसे प्रसिद्ध खिलाड़ी बन चुके थे।

—सुनील कुमार महला

साथ होती हैं, मोबाइल भी—बस संवाद नहीं होता। बच्चे सवाल लेकर बड़ों तक पहुँचने के बजाय स्क्रीन पर उतर खोजते हैं और बुजुर्ग घर में रहकर भी बातचीत से बाहर हो जाते हैं। संस्कार अब व्यवहार में कम, किताबों, भाषणों और त्योहारों की तस्वीरों में अधिक दिखाई देते हैं। फिर किसी दिन खबर आती है—किसी वृद्ध की मृत्यु का पता कई दिनों बाद चला। सुर्खी कुछ पल ठहरती है, मांग उसके पीछे वर्षों का अकेलापन, दरवाजे पर टिकी आँखें और अपनों के स्पर्श को तरसते हाथ छूट जाते हैं। संस्कार जीवित होते तो बुजुर्ग खबर नहीं बनते—घर की सबसे सुपरिष्ठ छँव बने रहते।

प्रेम अब अपनापन कम, अपेक्षाओं का हिसाब अधिक बनता जा रहा है। इच्छा पूरी हुई तो मुस्कान, टूटी तो शिकायत; अपेक्षा टूटी तो रिशता भी डामगा गया। कभी एक माफी वर्षों का साथ बचा लेती थी, आज एक संदेश, ब्लॉक या अनफॉलो वर्षों की निकटता मिटा देता है। मतभेद समस्या नहीं, संवाद का इन्तिहान है; दुख यह है कि हमने मतभेद के बाद बात करना छोड़ दिया। गलती मानना कमजोरी नहीं, रिशते की ताकत है; माफी माँगना हार नहीं, प्रेम का साहस। इसीलिए पहला तुफान आते ही रिशते की छत उड़ जाती है—उसे थामने वाली संस्कारों की कड़ियाँ पहले ही टूट चुकी होती हैं।

शहरों की चमक हमें उस आँगन से दूर ले गई, जहाँ कभी परिवार साथ बैठता था। दादा-दादी की कहानियाँ किस्से नहीं, धैर्य, क्षमा, त्याग और सम्मान की पाठशाला

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निर्मंरण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वीच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है।

विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक अग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधानन करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के

रुपया, ब्याज दर और पूंजी प्रवाह के बीच फंसा आरबीआई, नीतिगत असमंजस से बाहर निकलना जरूरी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का कहना है कि वह डॉलर/रुपये की विनिमय दर के लिए कोई लक्ष्य लेकर नहीं चल रहा है और मुद्रा बाजार में केवल इसलिए हस्तक्षेप करता है ताकि अस्थिरता को थाम सके। बहरहाल उसका विदेशी मुद्रा हस्तक्षेप अक्सर इतना बड़ा और टिकाऊ स्तर पर होता है कि वह न केवल अस्थिरता को प्रभावित करता है बल्कि विनिमय दर की राह को भी प्रभावित करता है। प्रश्न यह है कि रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप का निर्देशन किस बात से होता है? अलग से देखें तो मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) से परे रिजर्व बैंक अक्सर बॉन्ड बाजार में भी बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप करता है और मौद्रिक नीति असर के प्रसार को सुविधाजनक बनाने के लिए अक्सर बैंकिंग नकदी का भी प्रबंधन करता है। ऐसे हस्तक्षेप के बाहरी परिणामों पर अक्सर बहुत अधिक ध्यान नहीं दिया जाता।

विदेशी मुद्रा हस्तक्षेप का पैमाना- पिछले 10 वर्षों में ह्रांजर और वायदा बाजारों में रिजर्व बैंक का शुद्ध वार्षिक मुद्रा हस्तक्षेप औसतन लगभग 60 अरब डॉलर रहा है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 2 फीसदी है।

वित्त वर्ष 2021 और 2022 के दौरान जब भारत के भुगतान संतुलन में अधिशेष उत्पन्न हुआ तब रिजर्व बैंक ने 157 अरब डॉलर की शुद्ध खरीद की। इससे असल में विनिमय दर के लिए एक न्यूनतम सीमा तय हो गई।

इसके उलट वित्त वर्ष 25 में रिजर्व बैंक ने 118 अरब की बड़ी बिक्री की जिससे डॉलर और रुपये की दर को 83.50 से 85.50 तक सीमित रखने में मदद मिली। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच रिजर्व बैंक ने अतिरिक्त 37 अरब डॉलर बेचे जबकि डॉलर के मुकाबले रुपया 91 तक पहुंच गया। ईरान युद्ध के बाद रिजर्व बैंक ने केवल मार्च 2026 में ही 37 अरब डॉलर और बेचे, और अंततः उस महीने डॉलर के मुकाबले रुपया लगभग 93.50 पर बंद हुआ। केंद्रीय बैंक के निरंतर हस्तक्षेप और नीतिगत कदमों ने अंततः डॉलर के मुकाबले रुपये को 100 से आगे बेतरतीब तरीके से बढ़ने की चिंताओं को दूर कर दिया।

थीं। आज आँगन की जगह बालकनी, कहानियों की जगह रीस और साथ की जगह अलग-अलग स्क्रीन हैं। बच्चे तेज भागना सीख रहे हैं, ठहरकर सुनना नहीं। माता-पिता सुविधाएँ जुटाने की दौड़ में बच्चों की आँखों की थकान और मन की चुप्पी पढ़ना भूल रहे हैं। फिर वही बच्चे बड़े होकर माता-पिता को वृद्धाश्रम छोड़ देते हैं और यह एक खबर बन जाती है। पर वृद्धाश्रम की राह उस दिन नहीं बनती—उसकी पहली ईंट बहुत पहले घर के भीतर रखी जा चुकी होती है।

इस महामारी का सबसे खतरनाक लक्षण है—उसका दिखाई न देना। न बुखार, न खॉसी, न कोई रिपोर्ट; फिर भी परिवार भीतर से बीमार हो जाता है। आवाजों से अपनापन घटता है, बातचीत औपचारिक होती है और एक ही छत के नीचे लोग अपने-अपने एकांत में सिमट जाते हैं।

साथ रहते हुए भी अकेलापन बढ़ता जाता है। समाचार चैनल घटना दिखा सकते हैं, ऑकड़ें गिना सकते हैं, बहस कर सकते हैं; मार उस संस्कारहीनता को नहीं पकड़ सकते, जो टूटते रिशतों की जड़ में पलती है। शायद इसलिए हम सुर्खियों से आगे देkhना नहीं चाहते—क्योंकि वहाँ किसी और की कहानी नहीं, हमारा अपना आईना छिपा है।

फिर भी इस बीमारी का इलाज संभव है, क्योंकि संस्कार कोई पुरानी चीज नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे व्यवहार हैं। इलाज बाहर से नहीं, भीतर से शुरू

होगा। बिना कारण मुस्कुरा देना, किसी की बात बीच में न काटकर सुन लेना, गलती पर माफी माँग लेना, बुजुर्ग के हाथ छूकर आशीर्वाद लेना, बच्चे के सवाल को महत्व देना और क्रोध के क्षण में कठोर शब्द रोक लेना—यही रिशतों की असली बैकसीन हैं। रिशतों की सूखी मिट्टी को फिर से गीला करना होगा। संस्कारों को उपदेशों की दीवार से उतारकर व्यवहार की जमीन पर लाना होगा। घर में थोड़ा समय, थोड़ा धैर्य और थोड़ा अपनापन लौट आए, तो बहुत-से रिशते टूटने से पहले ही बच सकते हैं।

शायद अब समय है कि हम सुर्खियों से बाहर निकलकर अपने ही घर को देखें। रिशते क्यों टूट रहे हैं, यह पूछने से पहले यह देखना होगा कि उन्हें बचाने के लिए हम अपने भीतर क्या बदल सकते हैं। न्यूज़ की सुर्खियाँ बदलती रहेंगी, घटनाएँ गुजर जाएँगी; मगर टूटा विश्वास, अकेला बुजुर्ग और भीतर से बुझा रिशता खबर बदलने से वापस नहीं आएगा। शुरुआत किसी बड़े अभियान से नहीं, घर की छोटी-सी संवेदना से होगी—किसी अपने को सुन लेने से, रूठे को मना लेने से, बुजुर्ग के पास बैठ जाने से, बच्चे के मन को समझ लेने से और अपनी गलती पर झुक जाने से। क्योंकि रिशते बड़े शब्दों से नहीं, छोटे संस्कारों से बनते हैं। सुर्खियों से आगे देखिए—शायद आपके अपने घर में अभी भी एक रिशता आपकी प्रतीक्षा कर रहा है।

—कृति आरके जैन

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वह मातर, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है। लेकिन दीर्घकालीन दृष्टि से आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जिसमें राष्ट्रप्रेम स्वाभाविक संस्कार बने, आदेश या भय का विषय नहीं।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वह मातर, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है। लेकिन दीर्घकालीन दृष्टि से आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जिसमें राष्ट्रप्रेम स्वाभाविक संस्कार बने, आदेश या भय का विषय नहीं।

पश्चिम बंगाल की यह पहल इसलिए संपूर्ण राष्ट्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण सबक या प्रेरणा है कि शिक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। सरकार, समाज, अभिभावक, शिक्षक, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाएँ और पूर्व विद्यार्थी-सभी मिलकर शिक्षा का नया सामाजिक तंत्र बना सकते हैं। यदि विद्या भारती के पास संगठनात्मक अनुभव है, सरकार के पास संसाधन और नीतिगत शक्ति है तथा समाज के पास सहभागिता की क्षमता है, तो इन तीनों का समन्वय शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। आज भारत को ऐसी शिक्षा चाहिए जो आधुनिक भी हो और अपनी जड़ों से जुड़ी हुई भी; वैज्ञानिक भी हो और संस्कारवान भी; रोजगारपक्व भी हो और चरित्रनिर्माकरी भी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इसके लिए नीतिगत दिशा दी है। अब आवश्यकता है कि विभिन्न राज्य और सामाजिक संगठन अपने-अपने स्तर पर इसके प्रभावी प्रयोग प्रस्तुत करें। पश्चिम बंगाल में विद्या भारती के एक हजार नए विद्यालयों का लक्ष्य इसी संदर्भ में एक प्रयोगशाला बन सकता है।

शुभेंदु अधिकारी की घोषणा इसलिए बधाई के योग्य है कि इसने शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से आगे बढ़ाकर सामाजिक सहभागिता और भारतीय शिक्षा-दृष्टि के विमर्श के केंद्र में ला दिया है। अब असली परीक्षा घोषणा की नहीं, उसके क्रियान्वयन की है। यदि एक वर्ष में विद्यालयों की संख्या बढ़ाने के साथ शिक्षक की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता, आधुनिक विज्ञान, तकनीकी दक्षता, भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिकता, संवैधानिक चेतना और सामाजिक समरसता को समान महत्व दिया गया, तो बंगाल का यह प्रयोग केवल बंगाल का नहीं रहेगा। यह भारत को वह संदेश दे सकता है कि शिक्षा व्यवस्था को बदलने के लिए केवल नई इमारतें नहीं, नई दृष्टि और समाज की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है। और शायद यही आज के भारत की सबसे बड़ी शैक्षिक आवश्यकता है- 'ज्ञान आधुनिक हो, दृष्टि वैज्ञानिक हो, चरित्र भारतीय हो और शिक्षा का अंतिम लक्ष्य राष्ट्र एवं मानवता का कल्याण हो'।

—ललित गर्ग

वायदा प्रीमियम को भी कम कर दिया। इससे रुपये के खिलाफ हेंजिंग और संछेबाजी करना सस्ता हो गया। इन कारकों ने संभवतः शुद्ध विदेशी निवेश को हतोत्साहित किया और पूंजी के बाहर जाने को प्रोत्साहित किया।

ब्याज दरों में रिजर्व बैंक के महत्वपूर्ण हस्तक्षेप ने संभवतः बाहरी क्षेत्र पर दबाव बढ़ाने में भूमिका निभाई। इसके कारण उसे विदेशी मुद्रा बाजार में भी हस्तक्षेप करना पड़ा। यष्टि इसे अधिक गंभीरता से ध्यान में रखा जाता तो मौद्रिक नीति की ऐसी रणनीति अपनाई जा सकती थी जिसमें नीतिगत ब्याज दर, तरलता प्रबंधन और बॉन्ड बाजार में हस्तक्षेप, इन तीनों के बीच अधिक संतुलित और आकलित नीति का मिश्रण होता।

ढांचा न कि विनिमय दर लक्ष्य- महंगाई को लक्ष्य बनाने वाले कई केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति से जुड़े फैसले लेते समय लक्ष्य मौद्रिक और वित्तीय परिस्थितियों, ब्याज दरों के अंतर तथा विनिमय दरों को ध्यान में रखते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि घरेलू मौद्रिक उद्देश्यों की प्राथमिकता कम हो जाती है या विनिमय दर को किसी निश्चित स्तर पर बनाए रखना लक्ष्य बन जाता है। इसका अर्थ यह है कि नीति-निर्माण में महत्वपूर्ण सीमाओं और मौद्रिक नीति के प्रभाव के रास्तों को स्वीकार किया जाता है।

यह अंतर खास तौर पर एमपीसी के बाहर रिजर्व बैंक की कार्रवाइयों के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। मौजूदा सांविधिक व्यवस्था के तहत एमपीसी को महंगाई के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नीतिगत ब्याज दर तय करनी होती है। हालांकि, तरलता, सरकारी बॉन्ड और विदेशी मुद्रा बाजारों में एमपीसी के बाहर केंद्रीय बैंक द्वारा किए जाने वाले बड़े हस्तक्षेपों में उनके प्रभावों को स्पष्ट रूप से ध्यान में रखा जाना चाहिए। विदेशी मुद्रा के लिए बनाया गया ढांचा किसी यांत्रिक नियम-आधारित व्यवस्था पर आधारित नहीं हो सकता। वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा पैदा करने वाले अव्यवस्थित बाजारों से निपटने के लिए रिजर्व बैंक के पास विवेकाधिकार बना रहना जरूरी है। लेकिन विवेकाधिकार और आकलित नीति का अभ्यास होना नहीं है।

—धनंजय राजौरा

राधा-कृष्ण के रंग में रंगा महाविद्यालय परिसर, छात्राओं ने दी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में भजन, नृत्य, फैसी ड्रेस, प्रश्नमंच एवं मटकी फोड़ कार्यक्रमों ने बांधा समां

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महारानी पुष्पमाला राजे पवार शासकीय कन्या महाविद्यालय, देवास में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में विविध सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जन्माष्टमी के अवसर पर पूरा महाविद्यालय परिसर भक्तिमय एवं कृष्णमय वातावरण से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जी. डी. सोनी एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा भगवान श्रीकृष्ण के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इसके पश्चात प्राचार्य डॉ. जी. डी. सोनी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य, साहस, कर्मनिष्ठ, विवेक और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने छात्राओं से भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के प्रारंभिक चरण में महाविद्यालय के हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शर्मिला कांटे ने मधुर एवं मनमोहक भजन की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात स्टाफ के वरिष्ठ सदस्य रघुनाथ मालवीय ने भजन प्रस्तुत किया।



रसायन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा तिवारी ने भी सुंदर भजन की प्रस्तुति देकर उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके बाद महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राहुल कौशल ने अपने वक्तव्य में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश देते हुए कहा कि श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व नेतृत्व, प्रबंधन, कर्तव्यनिष्ठ, रणनीतिक सोच और परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने की अद्भुत सीख प्रदान करता है। उन्होंने छात्राओं से जीवन में आने वाली चुनौतियों का धैर्य एवं विवेक के साथ सामना करने की प्रेरणा दी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में महाविद्यालय की छात्राओं प्रियांशी भागव, अलीशा खान, प्रिया कुमावत, वंशिका सांगते एवं सिमरन चौहान सहित अन्य छात्राओं ने श्रीकृष्ण के भजनों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। छात्राओं की आकर्षक प्रस्तुतियों ने

उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया और कार्यक्रम स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

इसके पश्चात श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की थीम पर फैसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्राओं

ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। छात्राएं भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा के मनमोहक रूप में सजकर कार्यक्रम में शामिल हुईं। रंग-बिरंगी वेशभूषा, आकर्षक श्रृंगार एवं कृष्ण-राधा की मनोहारी झलकियों ने जन्माष्टमी के उत्सव को विशेष बना दिया।

कार्यक्रम में प्रश्नमंच का भी आयोजन किया गया। महाविद्यालय की छात्रा प्रियांशी भागव ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, व्यक्तित्व एवं शिक्षाओं से संबंधित विभिन्न प्रश्न उपस्थित जनों से पूछे। छात्राओं एवं उपस्थितजनों ने उत्साहपूर्वक प्रश्नमंच में सहभागिता की। इस आयोजन के माध्यम से मनोरंजन के साथ-साथ छात्राओं को श्रीकृष्ण के जीवन एवं भारतीय सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

उत्सव का सबसे आकर्षक एवं रोमांचक आयोजन मटकी फोड़ कार्यक्रम रहा। इसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मटकी फोड़ कार्यक्रम के दौरान परिसर

में उत्साह एवं उमंग का माहौल देखने को मिला। उपस्थित छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

महाविद्यालय में बलराम जयंती के उपलक्ष्य में भी विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को भगवान बलराम के जीवन, व्यक्तित्व, आदर्शों एवं भारतीय संस्कृति में उनके महत्व से परिचित कराना तथा उनके जीवन से जुड़े नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का सफल संचालन महाविद्यालय के हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शर्मिला कांटे ने किया। कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्थाओं का उत्तरदायित्व हिंदी विभाग के प्रो. प्रमोद परिसर ने संभाला। आयोजन को सफल बनाने में महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ सदस्य तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही। भजन, नृत्य, फैसी ड्रेस, प्रश्नमंच एवं मटकी फोड़ जैसे विविध आयोजनों ने जन्माष्टमी उत्सव को जीवंत और यादगार बना दिया।

महाविद्यालय परिवार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने छात्राओं में भारतीय संस्कृति, परंपराओं और जीवन-मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही उन्हें अपने सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर प्रदान किया।

हुनर को मिलेगा आर्थिक संबल: प्रशिक्षण के साथ रोजगार शुरू करने बैंक से ऋण भी दिलाएंगे: केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा कई कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी के तहत केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खातेगांव में नि:शुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने प्रशिक्षण के लिए आई सभी सम्मानीय महिलाओं से आत्मीय चर्चा कर उनका हौसला बढ़ाया। खातेगांव में आयोजित इस मुख्य कार्यक्रम से केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने वर्चुअली माध्यम से विदिशा, सीहोर और रायसेन के प्रशिक्षण केंद्रों का भी एक साथ शुभारंभ किया। इस दौरान इन तीनों जिलों के प्रशासनिक अधिकारी और प्रशिक्षणार्थी महिलाएं ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ीं।



महिलाएं स्वयं का रोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल खातेगांव तक सीमित नहीं है, बल्कि अलग-अलग जिलों से जुड़ी महिलाओं को भी इन योजनाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ मिल रहा है। आरसेटी के माध्यम से व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं के लिए रहने एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को अपना काम शुरू करने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराने के लिए भी सरकार द्वारा कार्य किया जा रहा है। साथ ही युवाओं एवं महिलाओं के लिए नि:शुल्क कोचिंग, कौशल विकास एवं करियर काउंसलिंग जैसी गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने बताया कि देवास जिले में 25 सितंबर से 'समुद्रि अभियान' का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि

लाइली बहना योजना के माध्यम से प्रदेश की बहनों के खेतों में राशि अंतरित की जा रही है। महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने के लिए भी अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 50 लाख से अधिक महिलाओं

को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है तथा अधिक से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश में स्वयं सहायता समूहों को लगभग 10 लाख करोड़ रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिससे महिलाएं स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर सकें और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकें।

केंद्रीयकृषि मंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम में नशा मुक्ति अभियान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नशा परिवार और समाज के विकास में बाधक है। नशे से व्यक्ति के जीवन में नकारात्मक परिवर्तन आता है और परिवार प्रभावित होता है। उन्होंने सभी से नशे से दूर रहने तथा जिले में नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी रूप से चलाने की अपील की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नशा नहीं करने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प भी दिलाया।

शिक्षक ही समाज को नई दिशा देता है - पं. देवकृष्ण व्यास

पं. कोदरमल व्यास शिक्षा सम्मान-2026 से पं. देवकृष्ण व्यास सम्मानित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षक दिवस के अवसर पर श्री कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज, देवास द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिवर्ष प्रदान किया जाने वाला पं. कोदरमल व्यास शिक्षा सम्मान-2026 इस वर्ष राष्ट्रीय कवि, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षाविद् पं. देवकृष्ण व्यास को प्रदान किया गया। उन्हें शाल, श्रीफल एवं सम्मान-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कर्मचारी कॉलोनी, स्टेशन रोड स्थित कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह की अध्यक्षता श्री कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज इंदौर के पं. रामचन्द्र दुबे ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए श्री कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. धर्मेन्द्र मिश्रा ने पं. कोदरमल व्यास के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह सम्मान समारोह ब्रह्मलीन पं. कोदरमल व्यास की स्मृति में आयोजित किया जाता है और इस वर्ष



आयोजन का दसवां वर्ष है। इससे पूर्व वर्ष 2023 में श्रीमती अर्चना दुबे, 2024 में श्रीमती सुमन शुक्ल तथा 2025 में श्रीमती अनामिका अचल अग्निहोत्री को यह सम्मान प्रदान किया जा चुका है। पं. कोदरमल व्यास टोककला हाईस्कूल में प्रधानाध्यापक के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में डबल एम.ए. की उपाधि प्राप्त की। शिक्षा के प्रसार के लिए उन्होंने अनेक छोटे-बड़े प्रयास किए। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की फीस भरने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया। उनके प्रयासों से अनेक विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर मिला। समाज के विकास और उत्थान

के लिए भी उन्होंने उल्लेखनीय प्रयास किए। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा ही नहीं देता, बल्कि वह समाज को नई दिशा देने का कार्य करता है। ब्रह्मलीन पं. कोदरमल व्यास द्वारा शिक्षा एवं समाज के लिए किए गए कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी रहेंगे। इस अवसर पर श्रीमती सरला देवी व्यास, पं. यशवंत तिवारी, डॉ. बंसीलाल वर्मा, पं. देवकीनंदन समाधिया, पं. रितेश त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार दिलीप मिश्रा, प्रदीप शुक्ला, श्रीमती ज्योति शर्मा, पूर्व पार्षद अजीत भल्ला, सर्व ब्राह्मण कल्याण संघ देवास के अध्यक्ष पं. प्रशांत शर्मा, श्रीमती वीणा तिवारी, पं. अनिल मिश्रा, सुभाषचंद्र जैन, पं. चंद्रकांत दीक्षित, श्रीमती शोभा मिश्रा सहित समाजजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए पं. देवकृष्ण व्यास को सम्मान मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का आधार सर्व ब्राह्मण समाज संघ देवास के अध्यक्ष पं. प्रशांत शर्मा ने माना। कार्यक्रम का आयोजन श्री कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. धर्मेन्द्र मिश्रा द्वारा किया गया।

राीवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में पंचकोष समग्र व्यक्तित्व विकास की भारतीय दृष्टि विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि संस्कारों के बिना सुगंध के फूल जैसी है। शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारवान होना आवश्यक है। आज जो विकास के प्रयास हो रहे हैं उनका पूरा लाभ जेनजी और जेन अल्फा को मिलेगा। भारत को 2047 तक विश्वगुरु और आर्थिक महाशक्ति बनाने का संकल्प देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लिया है। इस संकल्प को पूरा करने की जिम्मेदारी युवाओं पर है। युवा शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारवान बने इसके लिए पंचकोष समग्र व्यक्तित्व विकास की भारतीय दृष्टि को अपनाना आवश्यक है। अच्छे संस्कार सांस्कृतिक मूल्य और सकारात्मक दृष्टिकोण युवाओं को सही लक्ष्यों की पूर्ति में सहायक होगा। कार्यशाला में जो गुरु ज्ञान दिया जा रहा है उसे विद्यार्थी अपने जीवन में उतारे तभी जीवन सफल होगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन के उच्च लक्ष्य तय करने के साथ हमें जो प्राप्त है वहीं पर्याप्त है कि आत्मसंतुष्टि होनी चाहिए। जीवन को सही दिशा न मिलने पर युवा भटककर गलत रास्ते में चल पड़ते हैं। देश तेजी



से विकास कर रहा है। देश विरोधीतत्व युवाओं को शाफ्टकॉर्नर बनाकर उनको पथ से विमुख करने का प्रयास कर रहे हैं। युवा इनसे सावधान रहें। देश का युवा सही राह पर चल पड़ा तो दुनिया में राज करने से उसे कोई नहीं रोक सकता है। अच्छे संस्कार और जीवन

को सही दिशा ही हमें सफलता देगी। कार्यशाला में सांसद श्री जनार्दन मिश्रा ने कहा कि सनातन परंपरा के मूल्य और वैदिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान ने भी प्रमाणित किया है। शरीर और मन को संतुलित रखने पर पूरा जीवन संतुलित हो जाता है। इसके लिए योग, ध्यान और प्राणायाम आवश्यक है। पूरी दुनिया तनाव प्रबंधन के लिए इसका उपयोग कर रही है। युवा पीढ़ी प्राचीन ज्ञान के अच्छे मूल्यों को अपनाने। प्राचीन ग्रंथों में भी भ्रमित करने के लिए भी मिलावट कर दी गई है। सही ज्ञान को अपनाने पर ही आत्मबोध और आत्मचिंतन से आत्मसंतुष्टि होगी।

कार्यशाला में श्री शर्मा ने कहा कि समाज को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा। आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए शिक्षा, संस्कृति का उत्था आवश्यक है। कार्यशाला में विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर के कुलगुरु डॉ. अजय तिवारी ने कहा कि गुरु ही शिष्य को सही मार्ग दिखलाते हैं।

जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में संस्था प्रधान एवं मेधावी विद्यार्थी सम्मानित, पूर्व डीईओ आरएल कारपेंटर ने की शिरकत

सोयाबीन फसल में पीला मोजेक रोग की रोकथाम हेतु कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र ने किया खेतों का भ्रमण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि विज्ञान केंद्र देवास एवं कृषि विभाग ने विकासखंड खातेगांव अंतर्गत ग्राम सुकरास, ओलान्वा, भवरास, सुकरास, मनोरा, आमला एवं विक्रमपुर में संयुक्त रूप से कृषक खेतों का भ्रमण कर सोयाबीन फसल की स्थिति का जायजा लिया।



भ्रमण के दौरान क्षेत्र में सोयाबीन फसल में कहीं-कहीं पीला मोजेक रोग के लक्षण पाए गए। इस संबंध में उप संचालक कृषि ज्ञानसिंह मोहनिया ने कृषकों को रोग के प्रसार को रोकने के लिए खेतों की नियमित निगरानी करने तथा रोग फैलाने वाली सफेद मक्खी के नियंत्रण की सलाह दी।

उन्होंने बताया कि सफेद मक्खी के नियंत्रण हेतु

में रोग के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल कृषि विभाग के मैदानी अमले से संपर्क कर उचित नियंत्रण उपाय अपनाना।

भ्रमण के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र देवास के वैज्ञानिक डॉ. महेंद्र सिंह एवं डॉ. अरविंद कौर, सहायक संचालक कृषि लोकेश गंगराडे, एन.एस. गुर्जर तथा कृषि विस्तार अधिकारी दिलीप मीणा, दिनेश पंवार सहित कृषि विभाग के मैदानी अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

थायोमेथाक्जाम 25% WG की 125 ग्राम मात्रा अथवा इमिडाक्लोप्रिड 17.8ब रू की 125 मिली मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से अनुशंसित तरीके से छिड़काव किया जा सकता है। कृषकों को सलाह दी गई कि फसल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षक दिवस के अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, मंदसौर में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों, संस्था प्रधानों एवं विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर रोहित राणावत रहे। विशेष अतिथि के रूप में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी आर.एल. कारपेंटर, टेरेसा मिस, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक लोकेंद्र कुमार डाभी, प्राचार्य कैलाश चंद्र सोलंकी एवं जिला योजना अधिकारी दिलीप मुजावदिया उपस्थित रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी पंकज जाट ने बताया कि- समारोह में सत्र 2025-26 में बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत परिणाम देने वाले संस्था प्रधानों को सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ



ही जिला मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि उत्कृष्ट परिणाम शिक्षकों की प्रतिबद्धता, संस्था प्रधानों के नेतृत्व, विद्यार्थियों की मेहनत और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। मुख्य अतिथि डिप्टी

कलेक्टर रोहित राणावत ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य का निर्माण करने वाला मार्गदर्शक है। शत-प्रतिशत परिणाम शिक्षक दल की मेहनत का परिचायक है। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी आर.एल. कारपेंटर, टेरेसा मिस, लोकेंद्र कुमार डाभी, कैलाश चंद्र सोलंकी और दिलीप मुजावदिया ने भी उद्बोधन देकर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में संस्था

कलेक्टर श्री ऋतु राज सिंह ने कहा कि जिले में इस संबंध में पूर्व में ही प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए जा चुके हैं। सभी नाव संचालकों के पास पर्याप्त संख्या में लाइफ जैकेट होना अनिवार्य है। बिना लाइफ जैकेट के कोई भी नाव घाट पर नहीं चलनी चाहिए। यदि कोई नाविक बिना लाइफ जैकेट के नाव चलाने हुए पाया जाता है, तो उस पर तुरंत एफआईआर दर्ज कराई जाए।

मंडला/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीकृष्ण पर्व के अवसर पर संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा श्रीकृष्ण आख्यान की कला अभिव्यक्तियों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन ज्ञानदीप इंड्रिया मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, मंडला में किया गया। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों एवं लीलाओं को जीवन प्रसंगों एवं लीलाओं को भगवान श्रीकृष्ण की बाल माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में 'गोवर्धन धारण' केंद्रित नृत्य नाटिका थी। नेहा विश्वकर्मा एवं सांथी, जबलपुर द्वारा प्रस्तुत की गई। वहीं 'सुदामा मिलन



प्रसंग' पर आधारित नृत्य नाटिका मोहिनी गोरे एवं सांथी, जबलपुर ने प्रस्तुत की। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, सुदामा के प्रति उनके स्नेह तथा भक्ति भावना से भाव-विभोर किया। कार्यक्रम में रुद्रकांत ठाकुर एवं सांथी, सिवनी द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुति भी दी गई। कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने

तालियों से उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का आयोजन श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन मंडला के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता कर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। इस दौरान सांसद श्री फगन सिंह कुलस्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कृशराम, नारापालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाह, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता श्री प्रफुल्ल मिश्रा, अपर कलेक्टर श्री हुनेन्द्र चोरामोर, एसडीएम मंडला श्री शैलेन्द्र चौधरी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गुरुजनों के सम्मान में सजा शिक्षक दिवस समारोह, विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय श्री महावीर विद्यालय में शिक्षक दिवस का भव्य एवं गरिमामय आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षक-शिक्षिकाओं की आकर्षक एवं गरिमामय प्रवेश के साथ हुआ, जिसका ह्यर सेक्शन के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत माँ सरस्वती एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गई।

इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। नृत्य, नाट्य मंचन, समूह गीत एवं श्रेक भाषणों ने उपस्थितजनों का मन मोह लिया। छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को प्रभावशाली ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के लिए आयोजित रोचक क्रिज



प्रतियोगिता समारोह के आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर प्राचार्य मनोज शर्मा, उप प्राचार्य लखन लाल मालाकारा एवं वरिष्ठ शिक्षिका सुश्री सुषमा तराणेकर ने शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शिक्षकों के योगदान को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन छात्रा जिजिया भट्ट एवं तनिषा खत्री ने किया, वहीं आधार प्रदर्शन वीरेंद्र सिंह पंवार ने किया। प्रबंध समिति द्वारा शिक्षकों का सम्मान समारोह के द्वितीय चरण में प्रबंध समिति द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिलीप शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के उपाध्यक्ष श्री सत्यनारायण काकानी ने की। इस अवसर पर संस्था के सचिव श्री सिरमेल भंडारी, सहित प्रबंध समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अतिथियों ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण एवं समाज के विकास में शिक्षकों के अमूल्य योगदान की सराहना की। प्रबंधन समिति की ओर से सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन लतेश पाटीदार ने किया।

अंत में श्री महावीर विद्यालय परिवार एवं प्रबंध समिति की ओर से सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मान स्वरूप उपहार भेंट किए गए। कार्यक्रम गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की सुंदर अभिव्यक्ति बनकर यादगार बन गया।



खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरोद देश का भविष्य गढ़ने वाले शिक्षकों के स्वास्थ्य की चींता करके शिक्षकों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाकर सम्मान किया शिक्षक दिवस के अवसर पर स्वास्तिक पेशोलाजी लैब, खाचरोद द्वारा खाचरोद ब्लॉक के शासकीय एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया शिविर में 71 से अधिक शिक्षकों

की छ्छट एवं ब्लड शुगर की जांच निःशुल्क की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीआरसी पुष्पराज तिवारी, कन्या शाला प्राचार्य विक्रम मकवाना ने माँ सरस्वती का पूजन-अर्चन एवं माल्यार्पण किया। इसके बाद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित करते हुए शिविर का शुभारंभ किया गया।

शिविर में खाचरोद ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों से शिक्षक बारी-बारी से पहुंचे और रक्त के नमूने दिए सभी शिक्षकों की छ्छट एवं ब्लड शुगर की जांच की गई।0 स्वास्तिक पेशोलाजी लैब के संचालक नरेंद्र पौराणिक (राहुल) अतिथियों का स्वागत करते हुए शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा शिक्षकों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। कार्यक्रम की शुरुआत में कन्या शाला प्राचार्य विक्रम मकवाना, जन शिक्षा अधिकारी संतोष शर्मा, आशीष जोशी, शिक्षक नवीन नामदेव,अमर सिंह , चन्द्रभानसिंह देवड़ा सहित अन्य शिक्षकागण की उपस्थिति में हुआ।

जबलपुर के अच्छे कार्यों की चर्चा करना भी नागरिकों की जिम्मेदारी : मंत्री राकेश सिंह

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि जबलपुर में हो रहे विकास कार्य किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं, बल्कि पूरे शहर के लिए हैं। नागरिकों को भी इन अच्छे कार्यों के बारे में चर्चा करनी चाहिए और सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मक कार्यों को सामने लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल कमियों की चर्चा करने के बजाय शहर में हो रहे बदलाव और उपलब्धियों को भी लोगों



तक पहुंचना जरूरी है। यह सम्बोधन पिसनहारी की मढ़िया स्थित गैवौनाथ मंदिर में गैवौनाथ सेवा समिति द्वारा कजलिया मिलन एवं सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए दिया। समारोह के दौरान मंत्री श्री सिंह ने सर्वप्रथम गैवौनाथ स्वयं भू शिवलिंग की पूजन अर्चना की, इसके बाद भगवान श्री राम की प्रतिमा पर मंत्रोच्चारण कर माल्यार्पण किया। इस दौरान मंत्री श्री सिंह ने प्रतिभावान युवाओं का सम्मान किया गया।

मंत्री सिंह ने कहा कि कजलियों का पर्व हमारी प्राचीन परंपरा है। इस पर्व पर लोग एक-दूसरे को कजलियों की शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ और दीर्घायु जीवन को कामना करते हैं। उन्होंने

कार्यक्रम में उपस्थित बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया और सभी को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि यह स्थान दिव्य और अलौकिक होने के साथ ऐतिहासिक मान्यता रखता है। यहां भगवान के चरणों की कृपा सभी को प्राप्त होती है। इस पवित्र स्थान के लिए जिन लोगों ने अपनी भूमिका निभाई है, वे बधाई और शुभकामनाओं के पात्र हैं।

स्लैब निर्माण सहित आवश्यक कार्यों पर होगा निर्णय- मंत्री सिंह ने कहा कि उन्हें जानकारी दी गई है कि यहां स्लैब का निर्माण किया जाना है और इस संबंध में पहले भी चर्चा हो चुकी है। इसके अलावा इस स्थान पर जो अन्य आवश्यक कार्य

किए जाने हैं, उनके संबंध में भी एक बार बैठकर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान की कृपा से आवश्यक कार्यों को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

'यहां कुछ नहीं होगा' वाली सोच से बाहर निकलना होगा- मंत्री श्री सिंह ने कहा कि नागरिकों को यह सोच बदलनी होगी कि यहां कुछ नहीं होगा

उन्होंने सोशल मीडिया इम्प्लुएंसर्स और सक्रिय नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जब शहर में अच्छे कार्य हो रहे हों तो अपना प्रभाव सकारात्मक रूप से दिखाना चाहिए। सोशल मीडिया पर विकास कार्यों के बारे में लिखना, बोलना और चर्चा करना भी नागरिक की जिम्मेदारी है।

मंत्री सिंह ने कहा कि इन कार्यों का श्रेय किसी एक व्यक्ति को देने का विषय नहीं है। ंमंत्री अपनी क्या हैसियत है, ये कार्य तो प्रभु की इच्छा से हुए हैं। उन्होंने कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि जबलपुर में हुए अच्छे कार्यों को सामने लाया जाए और लोगों में शहर को लेकर सकारात्मक सोच विकसित हो।

सुसनेर में एडीएम ने किया मतदान केद्रों एवं स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

सुसनेर/ गिरिराज बजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. शेरसिंह मीना के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर डॉक्टर शालिनी श्रीवास्तव ने आगामी नगरीय निकाय उप निर्वाचन 2026 के तहत नगर परिषद सुसनेर के पूर्वाद्ध उप निर्वाचन की तैयारियों का जायजा लिया।

अपर कलेक्टर ने सुसनेर के शासकीय आईटीआई में



बनाए गए स्ट्रांग रूम, रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय तथा विभिन्न मतदान केद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा, मूलभूत सुविधाओं एवं निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं तैयारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

इस मौके पर एसडीएम श्रीमती देवकुंवर सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अर्पिता राय, तहसीलदार भंवर सिंह चौहान, मुख्य नगर पालिका अधिकारी हरिओम शर्मा एवं आईटीआई प्राचार्य जुगल किशोर पाटीदार थे।

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी चंद्रजीत यादव 'पप्पू' ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देपालपुर में करीब 600 छात्राओं के लिए 100 लीटर क्षमता का वाटर कूलर भेंट किया।

उन्होंने यह वाटर कूलर अपने



पूज्य पिता स्वर्गीय रमेशचंद्र यादव की स्मृति में विद्यालय को समर्पित किया। इससे छात्राओं को शुद्ध एवं

ठंडे पेयजल की सुविधा मिलेगी। विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य नेहा बौरासी एवं स्टॉफ ने इस नेक पहल का स्वागत करते हुए पप्पू यादव का सम्मान किया।

इस अवसर पर शिक्षक संजय सेन, एजाज खान, शिवलाल यादव, विजय उज्जैनिया, श्याम चौहान सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

हर घर नल से जल ने बदली बोथवा की तस्वीर

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल जीवन मिशन ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को नई दिशा दी है। विकासखंड कटंगी के ग्राम बोथवा में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से अब गांव के सभी 547 परिवारों के घरों तक नल के माध्यम से पेयजल पहुंच रहा है। घर-घर नल से जल मिलने से ग्रामीणों को दूरस्थ जलस्रोतों पर निर्भरता से राहत मिली है और उनके दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ी है। ग्राम बोथवा में जल जीवन मिशन के तहत 69.50 लाख रुपये की लागत से 12 अप्रैल 2021 को कार्य प्रारंभ किया गया था, जिसे 8 अक्टूबर 2023 को पूर्ण कर लिया गया। योजना के पूर्ण होने के बाद गांव के सभी 547 घरों को नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल सुविधा उपलब्ध हो रही है।

महिलाओं और बच्चों को मिली बड़ी राहत- योजना से पहले ग्रामीण परिवारों को पानी के लिए घर से दूर स्थित जलस्रोतों तक जाना पड़ता था। पानी लाने की जिम्मेदारी विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों पर होने के कारण उनका काफी समय और श्रम खर्च होता था। अब घर पर ही नल से पानी उपलब्ध होने से उन्हें इस परेशानी से राहत मिली है। ग्रामीणों का कहना है कि घर के आंगन में नल से पानी पहुंचने से रोजमर्रा के काम आसान हुए हैं। पानी भरने में लगने वाला समय बचने से परिवार के सदस्य इस समय का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, आजीविका, घरेलू कार्य और अन्य आवश्यक गतिविधियों में कर पा रहे हैं।

अमड़ोरा/ आशीष-पंचोली/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया तथा पूरे दिन धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। राधा-कृष्ण एवं राम-जानकी मंदिर को रंग-बिरंगी बिजली की झालरों और आकर्षक रोशनी से सजाया गया था। शाम होते ही मंदिर की सुंदर सजावट देखते ही बन रही थी। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। दिनभर कीर्तन-भजन



और धार्मिक कार्यक्रम चलते रहे। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का समय नजदीक आते ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ बढ़ती गई। आधी रात को जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ, उपस्थित श्रद्धालुओं ने खुशी में सोहर

गीत गाए और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए। इससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को जन्माष्टमी की बधाई दी और भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मंदिर के पुजारी ने विधि-विधान के साथ भगवान श्रीकृष्ण का पूजन-अर्चना कराया। जन्मोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में घंटा-घड़ियाल और जयकारों की गूंज से वातावरण पूरी तरह कृष्णमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान को माखन-मिश्री, फल एवं अन्य प्रसाद अर्पित किया। इसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया। घरों और मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण की झांकियों सजाई गईं। बच्चों ने कृष्ण और राधा का रूप धारण कर लोगों का मन मोह लिया। देर रात तक मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रमों का दौर चलता रहा। पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

करते हुए कहा कि छोटी-सी पहल भी पर्यावरण संरक्षण की बड़ी मुहिम का हिस्सा बन सकती है।

विधायक डॉ पांडे ने कार्यशाला में उपस्थितजनों को पर्यावरण संरक्षण हेतु मां नर्मदा को स्वच्छ रखने, पोलिथीन का उपयोग न करने एवं पेड़ों की सुरक्षा की शपथ भी दिलाई।

जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में संयुक्त संचालक लोक शिखण जबलपुर संभागा श्री धनश्याम सोनी उपस्थित रहे। नर्मदा समग्र न्यास से स्वराली मराठे, सुरभि राठेदे विद्यार्थियों को मिट्टी के गणेश बनाने का प्रशिक्षण दिया।



जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए आओ बनाएं अपने हाथों से अपने श्री गणेश जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन आज शनिवार को विधायक डॉ. अभिलाष पांडे के मुख्यअतिथि में शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया। इस प्रशिक्षण सह कार्यशाला का उद्देश्य समस्त परिवारों को जागरूक कर श्री गणेश उत्सव पर प्रत्येक परिवार को मिट्टी के गणेश जी

स्थापित करने हेतु प्रेरित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर विधायक डॉ.अभिलाष पांडे ने कहा श्री गणेश उत्सव के पावन अवसर की तैयारी के लिये छात्राओं ने मिट्टी से भगवान श्री गणेश जी की सुंदर प्रतिमाएँ बनाकर परंपरा निभाने के साथ प्रकृति के संरक्षण का संदेश भी दिया है। प्रकृतिक सामग्री से बनी प्रतिमाओं का उपयोग कर हम जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने और पर्यावरण को स्वच्छ रखने की दिशा में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने छात्राओं द्वारा पूरे उत्साह और रचनात्मकता के साथ मिट्टी के गणेश बनाने की सराहना

श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस



आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षकों के प्रति सम्मान, आदर एवं कृतज्ञता की भावना को और अधिक प्रगाढ़ करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाषण एवं कविताओं के माध्यम से शिक्षकों के जीवन में महत्वपूर्ण योगदान एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने अपने भावपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से बताया कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार एवं उज्ज्वल भविष्य की नींव भी रखते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने भी शिक्षक दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह मार्गदर्शन, विश्वास और संस्कारों का रिश्ता है। शिक्षकों ने विद्यार्थियों से अपने गुरुजनों के प्रति सदैव आदर, अनुशासन एवं सम्मान की भावना बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिसर में पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, सम्मान एवं भावनात्मक जुड़ाव का वातावरण बना रहा।

विद्युत उपभोक्ता लोक अदालत का लाभ ले 20 से 30 प्रतिशत तक छूट प्राप्त करें

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अधीक्षण यंत्री रंदेशआयाची ने बताया कि 12 सितम्बर 2026, शनिवार को न्यायालय परिसर आगर एवं न्यायालय परिसर सुसनेर में विद्युत उपभोक्ताओं के लिए लोक अदालत का आयोजित की जा रही है। लोक अदालत में विद्युत चोरी के न्यायालयीन लॉबित प्रकरणों में 20 प्रतिशत एवं समस्त प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में 30 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने ऐसे सभी विद्युत उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि, जिनके विद्युत चोरी अथवा बकाया राशि संबंधी प्रकरण न्यायालय में लॉबित हैं, वे 12 सितम्बर 2026 को न्यायालय आगर एवं न्यायालय सुसनेर में उपस्थित होकर छूट का लाभ प्राप्त कर, राशि जमा कर प्रकरण का निराकरण करवा सकते हैं। प्रकरण लॉबित रहने पर विद्युत कनेक्शन विच्छेद एवं न्यायालयीन कार्यवाही से उत्पन्न होने वाली असुविधा से बचने हेतु सभी संबंधित उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे लोक अदालत में उपस्थित होकर लाभ लें।

बिरसा के प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य विभाग की मुस्तैदी

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड की स्वास्थ्य संबंधी समस्या से प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार सघन स्वास्थ्य सेवाएं एवं निगरानी की जा रही है। ग्राम कुंडेकसा, अडोरी, कोरका एवं बांदरी सहित आसपास के गांवों में मौसमी बीमारी, सर्दी-खांसी, बुखार, चर्मरोग, मौजूस, स्कैबीज एवं मलेरिया जैसी बीमारियों से प्रभावित बच्चों एवं मरीजों को उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। विगत एक माह में इन क्षेत्रों से उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराए गए 436 बच्चों में से 391 बच्चे पूर्णतः स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज होकर अपने गांव लौट चुके हैं।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने आवेदकों से सीधे संवाद कर जानी शिकायतों की वस्तुस्थिति

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताग्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

मक्सी रोड फोरलेन: 38 किमी में 30% काम पूरा

कलेक्टर बोले- एमपीआरडीसी और निगम समन्वय से करें निर्माण

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों के तहत मक्सी रोड फोरलेन का काम चल रहा है। शनिवार को कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि उज्जैन-मक्सी मार्ग के 38 किमी हिस्से को फोरलेन किया जा रहा है। अब तक करीब 30 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

शहरी क्षेत्र में करीब 7 किमी हिस्से में नगर निगम पाइप लाइन बिछ रहा है। इनमें करीब 3 किमी में पाइप लाइन का काम पूरा हो चुका है, जबकि बाकी हिस्से में काम जारी है। पाइप लाइन बिछने के बाद संबंधित हिस्से में एमपीआरडीसी सड़क निर्माण कर रही है। एक विभाग का काम अटका तो दूसरे का



निर्माण भी रुकेगा- निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने दोनों विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पाइप लाइन और सड़क निर्माण

के काम में तालमेल जरूरी है। किसी एक विभाग की देरी से दूसरे विभाग का काम प्रभावित नहीं होना चाहिए। कलेक्टर ने अधिकारियों से शहरी क्षेत्र में चल रहे अन्य निर्माण कार्यों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 को

देखते हुए सभी काम तय समय-सीमा में पूरे किए जाएं। गुणवत्ता पर विशेष नजर रखें- कलेक्टर ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने

को कहा। अधिकारियों को लगातार मौके पर निगरानी रखने और काम की प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि निर्माण में तेजी जरूरी है, लेकिन गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होना चाहिए।

एक नजर योजना और प्रगति पर-38 किमी उज्जैन-मक्सी मार्ग होगा फोरलेन -करीब प्रतिशत निर्माण अब तक पूरा -शहरी क्षेत्र में 7 किमी पाइप लाइन का काम -3 किमी पाइप लाइन बिछने का काम पूरा -पाइप लाइन के बाद एमपीआरडीसी करेगी सड़क निर्माण -सिंहस्थ-2028 से पहले निर्धारित कार्य पूरे करना लक्ष्य

चेकिंग में चोरी की बाइक पर घूमता मिला युवक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार शाम ढलने के बाद चेकिंग अभियान चला रही है। इस दौरान बाइक पर सवार युवक को रोका गया, बाइक के दस्तावेज मांगे गये, नहीं मिलने पर सख्ती की गई। युवक ने बाइक चोरी करना कबूल कर लिया। भाटपचलाना थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि कार्खे में लगातार वाहन चेकिंग और सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार रात चेकिंग के दौरान बाइक सवार युवक को रोका गया। पूछताछ में उसका नाम धर्मेन्द्र पिता राजाराम भाटी निवासी ग्राम लबायचा थाना



इंगोरिया सामने आया उससे बाइक संबंधित दस्तावेज मांगे गए लेकिन वह दिख नहीं पाया। शंका होने पर थाने लाकर पूछताछ शुरू की गई, उसने 20 दिन पूर्व बाइक चोरी करना कबूल कर लिया। थाने में दर्ज वाहन चोरी संबंधित शिकायतों को खंगाला गया तो पता चला कि उक्त बाइक चोरी की शिकायत भैरुसिंह

पिता विक्रमसिंह पंवार निवासी ग्राम पिपलोदा पंथ द्वारा दर्ज कराई गई थी। भैरुसिंह ने शिकायत में बताया था कि 11 अगस्त को वह अपने खेत पर गया था उसे दौरान किनारे पर बाइक खड़ी करने के बाद वह अपनी फसल देखने के लिए चला गया था उसी दौरान बाइक चोरी हो गई थी। थाना प्रभारी चौधरी ने बताया कि चेकिंग में पकड़ये बाइक चोरी के आरोपी से अन्य वाहन संबंधित पूछताछ की गई लेकिन कोई सुरांग नहीं मिल पाया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

कानीपुरा दोहरे हत्याकांड में 2 आरोपी हिरासत में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीयर पार्टी के दौरान करणी सेना के 2 गुटों में 26-27 अगस्त की रात खूनी संघर्ष हो गया। एक गुट ने 2 को मौत के घाट उतार दिया। घटनाक्रम के दूसरे दिन पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था, जो रिमांड पर थे। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर 2 और आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। अब तक 8 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिसमें एक नाबालिग शामिल है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के कनीपुरा स्थित मार्ग पर लकड़ी दरबार ढाबा पर हुये संघर्ष में करणी सेना प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल दरबार उर्फ विजयप्रताप पिता दिलीपसिंह 42 साल निवासी नीमनवासा जितेन्द्र उर्फ टम्पू पिता निर्भयसिंह पंवार निवासी उंडासा की तलवार चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने हत्या और बलबे का प्रकरण दर्ज कर हत्या के मुख्य आरोपी रहे करणी सेना के पूर्व नगर अध्यक्ष शक्तिसिंह अटल, अप्रिंत अटल, अन्ना उर्फ अनिल, राघव बैरागी और दुरौश उर्फ संजय परमार के साथ एक नाबालिग को हिरासत में ले लिया था। नाबालिग को बाल सप्रेक्षणगृह भेज, पांच आरोपियों को रिमांड पर लिया गया था। जिनसे लगातार पूछताछ जारी थी। दोहरे हत्याकांड से जुड़े 2 अन्य आरोपियों अंकित मालवीय और सचिन को हिरासत में ले लिया गया। थाना प्रभारी विवेक कनौड़िया ने बताया कि पूर्व में रिमांड पर चल रहे पांच आरोपियों को रिमांड खत्म होने पर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। हिरासत में लिये गये 2 आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। दोनों को न्यायालय में पेश किया जायेगा। हत्या में आरोपियों की संख्या 12 से 15 पहुंच सकती है।

तबीयत बिगड़ने के बाद युवती की सदिग्ध मौत



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। तबीयत बिगड़ने के बाद युवती की सदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पुलिस में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। किशनपुर में रहने वाली नेहा पिता मंदेश लकनवाल 22 साल वीड्री कलॉथ मार्केट में कपड़े की दुकान पर काम करती थी। शुक्रवार को घर से दुकान पर पहुंची थी जहां दोपहर में अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। दुकान पर काम करने वालों ने परिवार को सूचना दी। युवती को परिवार घर लेकर पहुंचे लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं होने पर माधव नगर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई आशंका जताई गई की युवती ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन किया था जिसके चलते मामले की सूचना माधव नगर थाना पुलिस को दी गई पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया परिवार का कहना था कि कुछ दिन से उसकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी एक माह पहले ही नेहा की सगाई की गई थी ऐसा कोई मामला नहीं था जिसके चलते वह गलत कदम उठाए मामले में पुलिस का कहना था कि जहर खाने की आशंका है जिसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा।

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन के वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा गठित क्लब ऑफ ग्रीन इनोवेटर्स के तत्वावधान में विद्यार्थियों को जैव विविधता, नवाचार, उद्यमिता एवं रोजगार की संभावनाओं से परिचित कराने के उद्देश्य से "Importance of Biodiversity and Business Opportunities for Life Science Students" विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. मनीष चट्टेकर, Informal Educationist "B" Founder and Director, Pristine Environmental Associates Pvt. Ltd. (EHS Consultants) ने जैव विविधता के महत्व के साथ लाइफ साइंस के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध व्यावसायिक एवं रोजगारपरक अवसरों की जानकारी दी। डॉ. चट्टेकर ने बताया कि विद्यार्थी



औषधीय पौधों के क्षेत्र में कार्य करते हुए स्वयं के स्टार्टअप विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही हर्बल एवं कॉस्मेटिक उत्पाद, प्राकृतिक सुगंध, पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद तथा पौधों पर आधारित विभिन्न उपयोगी

उत्पाद तैयार कर व्यवसाय की नई संभावनाएं विकसित की जा सकती हैं। उन्होंने ऐसे पौधों के उदाहरण भी बताए, जिनका उपयोग वातावरण की दुग्ंध दूर करने तथा प्राकृतिक रूप से वातावरण को सुगंधित

बनाने में किया जाता है। उन्होंने विभिन्न वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से बताया कि देश में अनेक लोग औषधीय पौधों, हर्बल कॉस्मेटिक्स, प्राकृतिक उत्पादों एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर सृजित कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को विषयागत ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल, नवाचार एवं उद्यमिता को अपनी शिक्षा का हिस्सा बनाने की सलाह दी। वक्ता ने विभिन्न संस्थानों एवं उद्योगों में उपलब्ध इंटरशिप एवं प्रशिक्षण के अवसरों की जानकारी देते हुए बताया कि विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के साथ स्टार्टअप इन करने के अवसर भी उपलब्ध हैं। उन्होंने प्राप्त अवसरों का लाभ उठाकर कौशल विकास करने तथा रोजगार एवं उद्यमिता के रास्ते तलाशने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्घोषन में कहा कि जैव विविधता का संरक्षण केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नवाचार, आत्मनिर्भरता और रोजगार के नए अवसरों का आधार भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने विषयगत ज्ञान को व्यावहारिक कौशल से जोड़ते हुए जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन वनस्पति शास्त्र विभागध्यक्ष डॉ. एकता दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वनस्पति शास्त्र विभाग के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को जैव विविधता संरक्षण से जोड़ते हुए स्टार्टअप, इंटरशिप, रोजगार एवं उद्योग आधारित अवसरों के प्रति जागरूक करना रहा।

नंदोत्सव के उल्लास के साथ इस्कोंन में तीन दिवसीय जन्माष्टमी महोत्सव का समापन

कान्हा के जन्म की खुशियों में झूमे श्रद्धालु, साधु-संतों का सम्मान और विशाल महाप्रसाद भंडारा हुआ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस्कोंन मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का शनिवार को नंदोत्सव के साथ उल्लसपूर्ण समापन हुआ। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खुशियां मनाने के लिए मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। नंदोत्सव के दौरान भक्तों ने भजन-कीर्तन के बीच भगवान के बाल स्वरूप की आराधना की। पूरे मंदिर परिसर में जय श्रीकृष्ण के जयघोष गुंजते रहे। महोत्सव के अंतिम दिन इस्कोंन संस्थापक श्रील प्रभुपाद की 130वीं जयंती भी मनाई गई। इस अवसर पर साधु-संतों का सम्मान किया गया।

मंदिर में आयोजित विशाल महाप्रसाद भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। समापन अवसर पर राज्यसभा सांसद बालयोगी संत उमेशनाथ महाराज इस्कोंन मंदिर पहुंचे। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मध्याह्न में हुआ कान्हा का प्राकट्य- महोत्सव के मुख्य दिन मंदिर में भार की मंगला आरती से धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई थी। श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण का अपने हाथों से अभिषेक करने का अवसर मिला। मध्याह्न 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य के

साथ जन्म आरती हुई। इस दौरान मंदिर परिसर में विशेष आतिशबाजी और पायरो लाइटिंग ने उत्सव का उल्लास और बढ़ा दिया। फूलों से सजा मंदिर, टावर चौक से निकली संकीर्तन यात्रा- तीन दिवसीय आयोजन की शुरुआत विराट संकीर्तन यात्रा से हुई थी। फीमज टावर चौक से निकली यात्रा में ढोल-मंजीरों की थाप पर श्रद्धालु भक्ति में झूमते हुए शामिल हुए। जन्माष्टमी के लिए इस्कोंन मंदिर को रंग-बिरंगे विदेशी फूलों और फलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सजावट और फूलों की खुशबू से मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय बना रहा।

2600 करोड़ के हार्डवे की ट्रैफिक शुरू होने से पहले ही धंसी रिटेनिंग वॉल निर्माण ठेका कंपनी ने सीमेंट-कांक्रीट का टेका लगाकर ढंका हिस्सा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 2600 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहा उज्जैन-गरोड हाईवे यातायात शुरू होने से पहले ही निर्माण गुणवत्ता को लेकर सवालों में आ गया है। सड़क के किनारे मिट्टी के दबाव को रोकने के लिए बनाई गई रिटेनिंग वॉल के ब्लॉक कई जगह दबाव पड़ने से धंस गए हैं। इसके बाद निर्माण कंपनी जीएचवी (गुलाब हुसैन वीजापुर) ने क्षतिग्रस्त हिस्से को सुधारने के बजाय उसके पास सीमेंट-कांक्रीट का बड़ा सहारा खड़ा कर दिया। शहर से करीब 7 किलोमीटर दूर कालियादेह पैलेस जाने वाले मार्ग के पास ब्रिज क्षेत्र में करीब 15 दिन पहले रिटेनिंग वॉल का हिस्सा धंसा था। यहां क्षतिग्रस्त ब्लॉक



के आसपास कांक्रीट का स्ट्रक्चर बनाकर उसे सहारा दिया गया है। इससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं कि जिस दीवार को मिट्टी का दबाव रोकना था, उसे हाईवे शुरू होने से पहले ही बाहरी सहारे की

जरूरत क्यों पड़ रही है। 500 मीटर सड़क पहले ही जांच के घेरे में- उज्जैन-गरोड हाईवे के देवास रोड से लगे करीब 500 मीटर हिस्से की गुणवत्ता पहले ही सवालों के घेरे में आ चुकी है। निरीक्षण के दौरान निर्माण में खामियां सामने आने के बाद एनएचआई के नए अधिकारी ने निर्माण एजेंसी को फटकार लगाई। संबंधित हिस्से को धसने लगे और उसे कांक्रिट का सहारा देना पड़े तो निर्माण प्रक्रिया पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अब निगाहें एनएचआई की अगली कार्रवाई और पूरे हाईवे की गुणवत्ता जांच पर हैं।

प्रोजेक्ट की गुणवत्ता की उच्च स्तरीय जांच की जरूरत महसूस की जा रही है। विशेषज्ञ स्तर पर यह देखा जाना जरूरी है कि रिटेनिंग वॉल में इस्तेमाल सामग्री, नींव, ब्लॉक की मजबूती और मिट्टी की भराई के मानकों का पालन हुआ है या नहीं। सवाल यह भी...टेका क्यों लगाना पड़ा- रिटेनिंग वॉल का काम सड़क के किनारे मिट्टी को रोककर संरचना को मजबूती देना है। यदि निर्माण पूरा होने के बाद ही दीवार धसने लगे और उसे कांक्रिट का सहारा देना पड़े तो निर्माण प्रक्रिया पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अब निगाहें एनएचआई की अगली कार्रवाई और पूरे हाईवे की गुणवत्ता जांच पर हैं।

नंदोत्सव के उल्लास के साथ इस्कोंन में तीन दिवसीय जन्माष्टमी महोत्सव का समापन

कान्हा के जन्म की खुशियों में झूमे श्रद्धालु- उमेशनाथ महाराज ने की पूजा-अर्चना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस्कोंन मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का शनिवार को नंदोत्सव के साथ उल्लसपूर्ण समापन हुआ। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खुशियां मनाने के लिए मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। नंदोत्सव के दौरान भक्तों ने भजन-कीर्तन के बीच भगवान के बाल स्वरूप की आराधना की। पूरे मंदिर परिसर में जय श्रीकृष्ण के जयघोष गुंजते रहे। महोत्सव के अंतिम दिन इस्कोंन संस्थापक श्रील प्रभुपाद की 130वीं जयंती भी मनाई गई। इस अवसर पर साधु-संतों का सम्मान किया गया।

मंदिर में आयोजित विशाल महाप्रसाद भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। समापन अवसर पर राज्यसभा सांसद बालयोगी संत उमेशनाथ महाराज इस्कोंन मंदिर पहुंचे। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मध्याह्न में हुआ कान्हा का प्राकट्य- महोत्सव के मुख्य दिन मंदिर में भार की मंगला आरती से धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई थी। श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण का अपने हाथों से अभिषेक करने का अवसर मिला। मध्याह्न 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य के साथ जन्म

आरती हुई। इस दौरान मंदिर परिसर में विशेष आतिशबाजी और पायरो लाइटिंग ने उत्सव का उल्लास और बढ़ा दिया। फूलों से सजा मंदिर, टावर चौक से निकली संकीर्तन यात्रा- तीन दिवसीय आयोजन की शुरुआत विराट संकीर्तन यात्रा से हुई थी। फीमज टावर चौक से निकली यात्रा में ढोल-मंजीरों की थाप पर श्रद्धालु भक्ति में झूमते हुए शामिल हुए। जन्माष्टमी के लिए इस्कोंन मंदिर को रंग-बिरंगे विदेशी फूलों और फलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सजावट और फूलों की खुशबू से मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय बना रहा।

भाई गाजियाबाद ले गया शव, हार्ट अटैक की आशंका

होटल में मिली थी युवक की लाश, दोस्त के साथ आया था उज्जैन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर क्षेत्र की होटल में मिली युवक की लाश का शनिवार सुबह गाजियाबाद से आए भाई की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया रिपोर्ट आने पर मौत की वजह का खुलासा होगा। पुलिस लापता दोस्त की तलाश कर रही है जिसके बयान दर्ज किए जाएंगे।

महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि शुक्रवार सुबह नीलकंठ द्वार के सामने नलियाबाखल क्षेत्र में होटल टेंपल व्यू के रूम नंबर 202 में उत्तर प्रदेश स्थित गाजियाबाद के कोट गांव में रहने वाले मुकेश पिता वीर सिंह 40 वर्ष की लाश पड़ी होने मामला सामने आया था होटल कर्मचारियों की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मुकेश अपने दोस्त विनीत गोयल के साथ एक सितंबर को उज्जैन आया था महाकाल दर्शन के लिए आना बात कर उन्होंने होटल में रूम बुक किया था। घटनाक्रम सामने आने से पहले एक दिन पहले वह शराब के नशे में भी दोस्त के साथ

दिखाई दिया था। दोस्त रात में ही होटल रूम का चार्ज जमा करा कर चला गया था लेकिन मुकेश कुमार होटल के रूम में ही ठहरा हुआ था। होटल रूम से शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाने के बाद रूम को जांच के लिए सील कर दिया गया था। परिजनों को सूचना दी गई थी शनिवार सुबह गाजियाबाद से भाई शैलेंद्र कुमार और कुछ परिजन उज्जैन पहुंचे। जिनकी मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया भाई ने बताया कि मुकेश एलएलएम की पढ़ाई कर चुका था वर्तमान में प्राइवेट जॉब कर रहा था और सरकारी नौकरी की तलाश में था उसने नौकरी लगने के बाद ही शादी की बात कही थी वह दोस्त विनीत गोयल के साथ 31 अगस्त को महाकाल दर्शन करने का बोलकर उज्जैन के लिए निकला था। थाना प्रभारी बादल के अनुसार मामले की विवेचना जारी है फिलहाल मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है जिसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही होगा। परिजन बाँधी अंतिम संस्कार के लिए गाजियाबाद लेकर गए हैं।

जैव विविधता संरक्षण के साथ स्टार्टअप एवं रोजगार के अवसर तलाशें विद्यार्थी : डॉ. मनीष चांदेकर

क्लब ऑफ ग्रीन इनोवेटर्स के तत्वावधान में जैव विविधता एवं स्टार्टअप अवसरों पर अतिथि व्याख्यान आयोजित



औषधीय पौधों के क्षेत्र में कार्य करते हुए स्वयं के स्टार्टअप विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही हर्बल एवं कॉस्मेटिक उत्पाद, प्राकृतिक सुगंध, पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद तथा पौधों पर आधारित विभिन्न उपयोगी

उत्पाद तैयार कर व्यवसाय की नई संभावनाएं विकसित की जा सकती हैं। उन्होंने ऐसे पौधों के उदाहरण भी बताए, जिनका उपयोग वातावरण की दुग्ंध दूर करने तथा प्राकृतिक रूप से वातावरण को सुगंधित

बनाने में किया जाता है। उन्होंने विभिन्न वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से बताया कि देश में अनेक लोग औषधीय पौधों, हर्बल कॉस्मेटिक्स, प्राकृतिक उत्पादों एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर सृजित कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को विषयागत ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल, नवाचार एवं उद्यमिता को अपनी शिक्षा का हिस्सा बनाने की सलाह दी। वक्ता ने विभिन्न संस्थानों एवं उद्योगों में उपलब्ध इंटरशिप एवं प्रशिक्षण के अवसरों की जानकारी देते हुए बताया कि विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के साथ स्टार्टअप इन करने के अवसर भी उपलब्ध हैं। उन्होंने प्राप्त अवसरों का लाभ उठाकर कौशल विकास करने तथा रोजगार एवं उद्यमिता के रास्ते तलाशने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्घोषन में कहा कि जैव विविधता का संरक्षण केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नवाचार, आत्मनिर्भरता और रोजगार के नए अवसरों का आधार भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने विषयगत ज्ञान को व्यावहारिक कौशल से जोड़ते हुए जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन वनस्पति शास्त्र विभागध्यक्ष डॉ. एकता दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वनस्पति शास्त्र विभाग के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को जैव विविधता संरक्षण से जोड़ते हुए स्टार्टअप, इंटरशिप, रोजगार एवं उद्योग आधारित अवसरों के प्रति जागरूक करना रहा।